आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 15 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 42

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

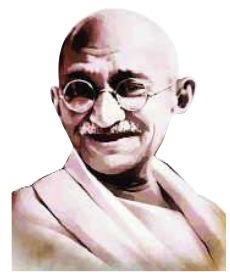

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

एमपीएसआईडीसी उद्योगों को सस्ती बिजली देगा

पेज-2

दो साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं ऋचा

पेज-5

ग्राहक तय करेगा नमकीन का स्वाद

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- सूरत : धुलिया चौकड़ी के कबाड़ गोदामों में लगी भीषण आग, 6-7 गोदामें जलकर खाक
- 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ईवीएम जांच को लेकर 5 नोडल अधिकारी नियुक्त
- जम्मू कोर्ट में एनआईए आज दाखिल करेगी पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी चार्जशीट
- दिल्ली में कड़कड़ाती ठंड की दस्तक, कई इलाकों में छाया घना कोहरा
- चिली के राष्ट्रपति चुनाव में धुर दक्षिणपंथी उम्मीदवार जोस एंटोनियो कास्ट ने हासिल की जीत
- आज तमिलनाडु दौरे पर जाएंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह
- आज से 3 दिवसीय विदेश दौरे पर रवाना होंगे पीएम मोदी, जॉर्डन-इथियोपिया और ओमान जाएंगे
- फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी आज पीएम नरेंद्र मोदी से कर सकते हैं मुलाकात
- लाल निशान में खुले सेंसेक्स-निफ्टी ; शुरुआती कारोबार में यूएस डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर
- आज से शीतकालीन सत्र का अंतिम हफ्ता, लोकसभा में प्रश्नकाल, राज्यसभा में भी कई अहम काम

संघ, संगठन और सरकार तीनों की पसंद नितिन नवीन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

नई दिल्ली ● भारतीय जनता पार्टी ने संगठन की बिसात पर एक अहम मोहरा चल दिया है। बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री और पांच बार के विधायक नितिन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने साफ कर दिया है कि 2029 से पहले संगठन को नई धार और नई दिशा देने का इरादा पुख्ता है। यह फैसला केवल एक नियुक्ति नहीं, बल्कि सियासी रणनीति, सामाजिक संतुलन और चुनावी गणित का मिला-जुला नुस्खा है।

राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर नितिन नबीन ही क्यों? इसका जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की उस भाषा में छुपा है, जो बधाई संदेशों से कहीं आगे जाकर संकेत देती है। 'कर्मठ', 'परिश्रमी', 'निष्ठावान', 'विनम्र', 'ऊर्जावान' जैसे अल्फ़ाज़ महज तारीफ नहीं, बल्कि भरोसे की मुहर हैं। ये शब्द बताते हैं कि बीजेपी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो संगठन की नब्ज समझे, ज़मीन से जुड़ा हो और दिन-रात मेहनत करने का हौसला रखता हो।

बंगाल की सियासत में दशकों तक कायस्थ समुदाय का असर रहा है- ज्योति बसु से लेकर विधानचंद्र राय तक। 'भद्रलोक' कही जाने वाली बौद्धिक जमात का बड़ा हिस्सा इसी समाज से ताल्लुक रखता है। बोस, घोष, दत्ता, मित्रा जैसे उपनामों वाला यह वर्ग आज भी बंगाल की राजनीति और सोच पर असर डालता है। नितिन नबीन का इसी कायस्थ वर्ग से आना बीजेपी के लिए एक सियासी दांव है, खासकर 2026 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए। बीजेपी के भीतर माना जाता है कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पद नेतृत्व की प्रयोगशाला होता है। अमित शाह और जेपी नड्डा इसका उदाहरण हैं। ऐसे में नितिन नबीन की ताजपोशी यह साफ पैग़ाम देती है कि पार्टी अब अनुभव और जवानी के संतुलन पर खेल रही है। मोदी-शाह की सियासी ज़बान में संदेश साफ है जो ज़मीन से जुड़ा है, जो संगठन में पसीना बहाता है और जो चुनाव जिता सकता है, वही आगे बढ़ेगा। वहीं बकौल प्रियदर्शन नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना कर भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव जीतने की बड़ी चाल चल दी है। नितिन नवीन की यह नियुक्ति न केवल बिहार की जातिगत राजनीति को साधने का प्रयास है, बल्कि इसके तार अगले साल (2026) होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से भी सीधे जुड़े हैं। अब नितिन नवीन के सामने अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती रहेगी। वे कायस्थ बिरादरी से आते हैं जिसकी गिनती कम संख्या होने के कारण चुनावी गणित के हिसाब-किताब में नहीं होती। यही उनकी ताकत है क्योंकि वे कास्ट न्यूट्रल माने जाएंगे। बताया गया है कि आरएसएस को भी उनका नाम पसंद आया है। ऐसे में संघ, संगठन और सरकार -तीनों की पसंद के रूप में नितिन नवीन बीजेपी की तीसरी पीढ़ी का नया अध्याय लिखने को तैयार हैं।

अचानक आया फोन और बदला पूरा राजनीतिक दिन

सूत्रों के अनुसार, नितिन नबीन को खुद भी इस नियुक्ति की पहले से जानकारी नहीं थी। वे पटना में अपने रोजमर्रा के कार्यक्रमों में व्यस्त थे। दोपहर करीब तीन बजे एक फोन आया, जिसके बाद उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए और सीधे आवास पहुंचे। इसके बाद एक के बाद एक पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके आवास पर पहुंचने लगे।

बीजेपी के कई युवा नेता हुए उत्साहित

नितिन नबीन के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद एमपी बीजेपी के कई युवा नेता उत्साहित हैं। वजह है कि नितिन नबीन तीन साल तक बीजेपी युवा मोर्चा के मध्य प्रदेश प्रभारी रहे हैं। इस वजह से कई नेता उनसे सीधे जुड़े हुए हैं। बीजेपी के मौजूदा प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने बताया- नितिन नबीन 2010 में एमपी बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी बनाए गए थे। उस दौरान जीतू जिराती प्रदेश अध्यक्ष थे। मैं उनकी टीम में प्रदेश महामंत्री था। अग्रवाल ने कहा- वे मेरी शादी में शामिल होने पटना से भोपाल आए और मुझे खुद घोड़ी पर चढ़ाया। शादी में शामिल होने के बाद वे वापस पटना चले गए।

- ***3 साल एमपी इंचार्ज रहे, आदिवासी क्षेत्रों में खूब दौरे किए-*** *सन 2010 से 2013 तक नितिन नबीन मध्य प्रदेश युवा मोर्चा के प्रभारी थे। तीन साल में उन्होंने मध्य प्रदेश में खूब प्रवास किए। ज्यादातर वे आदिवासी क्षेत्रों में दौरों पर जाते थे।*
- ***कांग्रेस ने कसा तंज- शिवराज का सपना टूटा-*** *नितिन नबीन के बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर एमपी कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने फेसबुक पर यह पोस्ट की। नितिन नबीन के बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर एमपी कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने फेसबुक पर यह पोस्ट की।*

भीषण टक्कर...

इंदौर ● **दैनिक इंदौर संकेत।** आज सुबह महू, मानपुर में दो भारी माल वाहक ट्रक आपस में टकराए, जिससे दोनों ही भीषण आग में जलकर खाक हो गए। भारी भीड़ होने के कारण जाम की स्थिति बन गई।

रीगल तिराहे की बदलेगी ट्रैफिक इंजीनियरिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में लगातार बढ़ रही ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए अब इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक इंजीनियरिंग पर जोर देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शहर के व्यस्ततम रीगल सर्कल का ड्रोन से सर्वे कराया गया और मौके पर सड़कों व रोटरी की नपती (मेजरमेंट) भी की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोटरी और सड़क की चौड़ाई में असंतुलन के कारण जाम की स्थिति बनती है, ऐसे में रीगल सर्कल की रोटरी को छोटा करने की तैयारी की जा रही है।

शनिवार को डीसीपी ट्रैफिक आनंद कलादगी पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ रीगल तिराहे पर पहुंचे। जवानों के हाथों में टेप लेकर पहले सड़क की चौड़ाई मापी गई, फिर रोटरी और लेफ्ट टर्न का माप लिया गया। शाम के समय यहां ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है और कई बार आसपास के क्षेत्रों में लंबा जाम लग जाता है।

पार्क रोड की वजह से ज्यादा जाम-जांच में सामने आया कि रीगल तिराहे पर पार्क रोड की ओर से आने वाला ट्रैफिक सबसे ज्यादा परेशानी खड़ी करता है। राजकुमार ब्रिज और पार्क रोड से आने वाले वाहन तिराहे से यू-टर्न लेकर शास्त्री ब्रिज या आरएनटी मार्ग की ओर जाते हैं। इस कारण शास्त्री ब्रिज से पलासिया की तरफ जाने वाले वाहनों को रुकना पड़ता है और कई बार लंबा जाम लग जाता है।

15 मार्गों पर होगा सर्वे-अफसरों ने बताया कि शहर में किन-किन स्थानों पर ट्रैफिक जाम की समस्या ज्यादा है और इसके क्या कारण हैं, इसका व्यापक सर्वे कराया जा रहा है। आने वाले समय में करीब 15 प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस सर्वे करेगी। मार्गों की चौड़ाई, लेफ्ट टर्न, रोटरी और कंजेशन पॉइंट्स का अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके बाद नगर निगम के सहयोग से ट्रैफिक इंजीनियरिंग में सुधार कराया जाएगा।

इन चौराहों पर रोज जाम

शहर में रोजाना कई इलाकों में वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ता है।

- अनूप टॉकीज चौराहा
- जिसी चौराहा
- कालानी नगर चौराहा
- मारुति नगर चौराहा
- मैकेनिक नगर

नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी कार्यस्थल से रहते हैं गायब!

निगमायुक्त ने जताई नाराजगी, कौन कहां पदस्थ इसकी मांगी रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम में कर्मचारियों का टोटा होने लगा है। स्थाई कर्मचारी लगातार रिटायर हो रहे हैं, वहीं मस्टर कर्मचारी की नियुक्ति पर साल 2018 से प्रदेश सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है, ऐसी स्थिति में नगर निगम को अपने कार्यालय एवं फील्ड वर्क के लिए मैनपॉवर की समस्या खड़ी हो गई है। निगम के पास केवल एक ही विकल्प आउटसोर्स कंपनी के कर्मचारियों का है। वर्तमान में निगम के प्रमुख पदों पर भी आउटसोर्स कर्मचारी की नियुक्ति की जा रही है।

पांच हजार आउटसोर्स कर्मचारी- 85 पार्षद भी अपनी आवश्यकता के अनुसार निगम से कर्मचारी मांग रहे हैं। ऐसी स्थिति में लगभग 5 हजार आउटसोर्स कर्मचारी नगर निगम में नियुक्त किए जा चुके हैं, लेकिन ये कर्मचारी अक्सर कार्यस्थल से गायब रहते हैं। इसी को लेकर निगमायुक्त ने नाराजगी दिखाई है और सभी कर्मचारी के कार्यस्थल पर 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

इन पदों पर नियुक्त हैं आउटसोर्स कर्मचारी नगर निगम ड्राइवर, माली, क्लर्क, कंप्यूटर ऑपरेटर, भृत्य, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सफाई कर्मचारी, ड्रेनेज, विद्युत विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति आउटसोर्स से कर रहा है। सबसे अधिक कर्मचारी कर्मचारियों की भर्ती कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए हो रही है। कई बार निरीक्षण के दौरान ये कार्यस्थल से गायब मिले हैं, ऐसे कर्मचारियों को सेवा से बाहर का रास्ता दिखाया दिया गया है। मामले में स्थापना विभाग के अपर आयुक्त मनोज पाठक को जांच के निर्देश दिए हैं।

मस्टर कर्मचारियों की नियुक्ति पर बैन

निगम के मस्टर कर्मचारी और आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन 7 से 12 हजार रुपए हैं। कम वेतन होने के कारण ये कर्मचारी लगातार कमाई के साधन भी खोजते हैं, जिसके चलते नगर निगम की छवि खराब हो रही है। फिलहाल निगम के पास कर्मचारियों की पूर्ति करने के लिए कोई दूसरा साधन भी नहीं है। वहीं, दूसरी ओर मस्टर कर्मचारी की नियुक्ति पर लगे बैन को हटाने के लिए कई कर्मचारी संगठन और महापौर पुष्यमित्र भार्गव स्वयं भी मांग कर चुके हैं, लेकिन यह निर्णय राज्य शासन की ओर से लिया जाना है।

रात में बढ़ी ठिठुरन, दिन में धूप दे रही राहत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। रात होते ही कड़ाके की ठंड लोगों को रजाई में दुबकने पर मजबूर कर रही है, जबकि दिन चढ़ते ही तेज धूप के कारण ठंड के तेवर नरम पड़ जाते हैं। शीतलहर का असर सुबह करीब आठ बजे तक ही बना रहता है। इसके बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने लगती है। शहर में रात और दिन के तापमान में भारी अंतर दर्ज किया जा रहा है। दिन के समय तापमान बढ़ने से घरों में पंखों की जरूरत महसूस हो रही है, वहीं रात में ठंड इतनी बढ़ जाती है कि लोग पूरी तरह गर्म कपड़ों में लिपटे रहते हैं। कल रात शहर का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग पांच डिग्री कम रहा।

अधिकारियों को लेकर फिर आया कैलाश विजयवर्गीय का दर्द सामने

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के विकास को लेकर आयोजित बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह कह कर चौंका दिया कि मुख्यमंत्री के नाम से अधिकारी डराते हैं। हालांकि यह बात उन्होंने ठहाकों के बीच कही, लेकिन राजनीतिक हलकों में उनकी इस बात के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

विकास कार्यों को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक ली। वे जैसे ही हॉल में पहुंचे तो मंत्री विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री से कहा कि-आप तो कहते हो कि आपके पास इंदौर जिले का प्रभार नहीं है, लेकिन गजट नोटिफिकेशन में तो आपका ही नाम है। सीएम साहब, आपके नाम से अधिकारी चमकाते है। यह बात सुनकर मुख्यमंत्री भी मुस्कुरा दिए, हालांकि उन्होंने मंत्री की बात का कुछ जवाब नहीं दिया। इसके बाद बैठक शुरू हुई। वहीं बैठक के पहले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो के अधिकारियों, एमडी श्रीकृष्ण चैतन्य को बुलाकर पूछा कि बैठक में मेट्रो का रूट क्या रख रहे हो, जो तय हुआ है अंडरग्राउंड का वही रखना और कोई विकल्प मत रखना। खर्चा का क्या है, वह भी बताना है।

डीएवीवी फेस रिकॉग्निशन और ओटीपी से होगी जांच करने वाले प्रोफेसर की पुष्टि

कॉपी जांचने में गड़बड़ी रोकने अपनाएंगे नई तकनीक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय एमबीए की कॉपियां अब ऑनलाइन चेक करवाने की तैयारी कर रहा है, लेकिन इस नई व्यवस्था को सुचारु बनाने से पहले सबसे बड़ी चुनौती सुरक्षा की मानी जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन चाहता है कि कॉपी चेकिंग की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और प्रोफेसर की वास्तविक पहचान से जुड़ी हो, ताकि कोई भी गलत तरीके से दूसरे को आईडी पासवर्ड देकर कॉपी जांचने के लिए न दे सके। यही कारण है कि विवि ने इस बार तकनीक को लेकर काफी सख्त प्लानिंग की है। नए सिस्टम में फेस रिकॉग्निशन और ओटीपी वेरिफिकेशन जैसे सुरक्षा मानक शामिल किए जा रहे हैं। अधिकारी बताते हैं कि कॉपियां चेक करने के दौरान सिस्टम बीच बीच में अचानक एक छोटा-सा वीडियो रिकॉर्ड करेगा और फेस रिकॉग्निशन के जरिए यह मिलान करेगा कि स्क्रीन के सामने बैठा व्यक्ति वही प्रोफेसर है, जिसे कॉपी जांचने का अधिकार दिया गया है। इसके साथ ही हर बार लॉगिन करते समय प्रोफेसर के मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कॉपी उसी व्यक्ति द्वारा खोली जा रही है जिसके खाते में आवंटित की गई है। विश्वविद्यालय का मानना है कि इस डबल-लेयर सिक्योरिटी से किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी।

प्रोफेसरों को मिलेगी ट्रेनिंग

तकनीक लागू करने से पहले प्रोफेसर को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि सिस्टम के इस्तेमाल में उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो। अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा मॉडल भविष्य में अन्य परीक्षाओं की कॉपी चेकिंग के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है। विश्वविद्यालय का दावा है कि ऑनलाइन प्रणाली से जांच की स्पीड भी बढ़ेगी और परिणाम अधिक समयबद्ध तरीके से जारी किए जा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सुनयना शर्मा और बेहतरीन मैनेजमेंट के लिए जीतेन्द्र दाईगुड़े सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता के सफलतम संचालन के लिए वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सुनयना शर्मा एवं स्क्वाश प्रतियोगिता में सफल मैनेजमेंट के लिए लिपिक जीतेन्द्र दाईगुड़े का डीईओ डॉ शांता स्वामी भार्गव एवं डीएसओ सुनील अवस्थी ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतिस्पर्धा मीडिया प्रचार - प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार एवं अनुराग तिवारी ने दोनों के सम्मान पर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त की।

जाने-माने संगीतकारों के गीतों पर केन्द्रित कार्यक्रम में युवा विद्यार्थियों की अभिनव प्रस्तुति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सुप्रसिद्ध संगीतकारों के चुनिन्दा गीतों पर केन्द्रित कार्यक्रम अभिनव गीत माला में युवा गायकों ने सदाबहार गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। अभिनव कला समाज में आयोजित कार्यक्रम में संगीतकार शंकर-जयकिशन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, शंकर एहसान लॉय, एस. डी. बर्मन, आर. डी. बर्मन आदि के गीतों को वरिष्ठ शास्त्रीय गायक पं सुनील मसूरकर के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए।

पीएम श्री हेली पर्यटन सर्विस को नहीं मिल रहा रिस्पांस

दिसंबर में खाली हैं सभी सीटें, संचालन पर छाए संकट के बादल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीते माह प्रदेश में पहली बार शुरू हुई पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा को यात्री की कमी से जूझना पड़ रहा है। दिसंबर में यात्री नहीं मिलने से सीटें खाली पड़ी हैं। जानकार कह रहे हैं कि ऐसा ही रहा तो ये सेवा भी पीएमश्री वायु पर्यटन सेवा एयरटैक्सी के जैसे जल्दी ही बंद हो जाएगी।

बीते माह इंदौर से उज्जैन के लिए इस सेवा की शुरुआत हुई थी। शुरुआत में यात्रियों को सिर्फ पांच हज़ार में इंदौर से उज्जैन पहुंचाया जा रहा है, लेकिन अब इस सेवा को यात्रियों की कमी से परेशान होना पड़ रहा है। सप्ताह में चार दिन चलने वाले हेलिकॉप्टर में शुक्रवार सुबह पूरे माह के सभी ऑपरेशन में सीटें

उपलब्ध थीं। हेलिकॉप्टर में 6 यात्रियों को बैठाया जाता है।

ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि इस सेवा की सफलता को लेकर हमें शुरुआत से ही संदेह है। दरअसल इंदौर से उज्जैन सड़क और रेल मार्ग से पहुंचना अपेक्षाकृत सस्ता और आसान है, इसलिए लोग हेलिकॉप्टर को चुनना पसंद नहीं करेंगे। वहीं, अभी कंपनी प्रमोशनल डिस्काउंट में पांच हज़ार की छूट देकर पांच हज़ार में यात्रा करवा रही है। बाद में तो यही टिकट 10 हज़ार का मिलेगा।

वजन को लेकर भी है सख्त

नियम-कंपनी के बुकिंग नियम में वजन को लेकर लगाई शर्त चर्चा का विषय है। दरअसल इसमें आने वाले यात्री का वजन अगर 100 किलो से अधिक रहा तो उसे दो सीट लेनी होंगी। 80 किलो तक के यात्री को अतिरिक्त शुल्क नहीं चुकाना होगा। सेवा संचालित करने वाली कम्पनी ने वजन को लेकर कड़े नियम तय किए हैं, वहीं हर यात्री पर सामान की सीमा भी तय की गई है। यात्री सिर्फ 4 किलो तक ही सामान ले जा सकेंगे। इस सेवा का संचालन करने वाली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि सेवा नई है, इसलिए शुरुआती दिनों में सीटें खाली रहना सामान्य है। लोग जानकारी जुटा रहे हैं और आने वाले दिनों में बुकिंग बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटन विभाग सेवा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रचार और रूट विस्तार पर भी विचार कर रहा है।

न्यू लोहा मंडी निरंजनपुर में आईडीए की जमीन से टीम ने हटाया अतिक्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण की स्कीम नम्बर 78 प्रथम में आवासीय और व्यावसायिक उपयोग की जमीन पर लगातार कब्जे हो रहे हैं। करोड़ों रुपए बाजार मूल्य वाली जमीन पर अवैध झुग्गी और बस्तियां बसती चली जा रही हैं, जिसको सालों से रोका नहीं जा सका है। क्षेत्र में अवैध बस्ती बसने और असामाजिक तत्वों द्वारा नशा करने जैसी अवैध गतिविधियों का मुद्दा

उठाया जा रहा है, जिसके चलते आईडीए ने अपनी जमीनों पर हो रहे कब्जे की सुध ली और निरंजनपुर सब्जी मंडी के बाहर गेट पर बस रही अवैध बस्ती में बन रहे अवैध मकान हटाने की कार्रवाई की।

इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी के कारण आईडीए की स्कीमों में करोड़ रुपए बाजार मूल्य की जमीन पर कब्जे हो चुके हैं। प्राधिकरण ने निरंजनपुर क्षेत्र में जूनी इंदौर लोहा मंडी को शिफ्ट करने के लिए न्यू लोहा मंडी स्कीम 78 प्रथम का निर्माण किया था, लेकिन यहां पूरी तरह से लोहा मंडी शिफ्ट कर करने में असफल रहा है। जूनी इंदौर के व्यापारियों ने न्यू लोहा मंडी में दुकानें शिफ्ट करने के लिए प्लॉट लिए, लेकिन जूनी इंदौर वाली लोहा मंडी से दुकानें शिफ्ट नहीं कीं। रिंगरोड से सटे दो ने बड़े प्लॉट, जिनका बाजार लगभग 300 करोड़ रुपए हैं, उस पर बसी अवैध बस्ती का मुद्दा उठाया था। इसके बाद पूर्व आईडीए अध्यक्ष जयपालसिह चावड़ा बाउंड्रीवॉल निर्माण तत्कालीन आईडीए सीईओ विवेक श्रोत्रिय के माध्यम से करवाया था। शनिवार को आईडीए ने यहां बन रहे अवैध मकान को हटाया। इस दौरान रहवासियों ने कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे किसी की एक नहीं चली। आईडीए के कार्यपालन यंत्री कमल सिह ने बताया कि प्राधिकरण की जमीन से कब्जा हटाने की कार्रवाई गई।

एमपीएसआईडीसी उद्योगों को सस्ती बिजली देगा, लेगा लाइसेंस चार से पांच रुपए प्रति यूनिट में मिलेगी बिजली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र राज्य इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीएसआईडीसी) अब उद्योगों को सस्ते दरों पर बिजली उपलब्ध कराएगा। इसके लिए ये विद्युत वितरण पनियों (डिस्कॉम) विशेष से लाइसेंस ले रहा है। वह औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर लगाने से लेकर विद्युत वितरण का काम करेगा।

एमपीएसआईडीसी डिस्कॉम से सीधे बिजली खरीदेगा और बिजली का वितरण उद्योगों को करेगा। उद्योगों को 4 से 5 रुपए प्रति यूनिट बिजली उपलब्ध कराने का काम करेगा। बिलिंग और बिजली वसूली भी खुद करेगा। इसकी शुरूआत पीएम मित्रा पार्क, मोहासा बाबई सौर ऊर्जा पार्क और सागर औद्योगिक क्षेत्र पार्क से की जा रही है।

ऐसे मिलेगी सस्ती बिजली

सामान्य तौर पर विद्युत वितरण

कंपनियां तमाम लाइन लॉस, बिजली चोरी और तमाम प्रभार मिलाकर बिजली की बिलिंग करता है। डिस्कॉम से एमपीएसआईडीसी अपने औद्योगिक क्षेत्र में बल्क कनेक्शन लेगा। इसके बाद वह औद्योगिक क्षेत्रों को विद्युत वितरण करेगा। कंपनियों से उद्योग विभाग सस्ते में बिजली लेगा और बिना लॉस ओर अधिभार प्रभार को जोड़कर बिजली बिलिंग करेगा।

उद्योगों को लुभाने पर जोर

जानकारी के अनुसार, उद्योगों को सबसे ज्यादा बिजली बिल, जमीनों के दाम और सरकार के टैक्स भारी पडते हैं। सरकार उद्योगों को सस्ती दरों पर जमीन उपलब्ध करा रही है। रोजगार के आधार पर सब्सिडी दे रही और टैक्स पर छूट दे रही है। बिजली सस्ती देकर उद्योगों को राज्य की तरफ आकर्षित करने का काम किया जा रहा है।

कान्यकुब्ज : युवक-युवती परिचय सम्मेलन में 1451 से ज्यादा प्रत्याशियों ने दिया परिचय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा का अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार को एयरपोर्ट रोड स्थित नृसिंह वाटिका पर आयोजित हुआ। देशभर के 1451 से अधिक युवक-युवतीयों ने मंच से परिचय दिया। 51 रिश्ते तय हुए, तकरीबन 235 से ज्यादा रिश्तों पर चर्चा चली। समाज के अध्यक्ष पं. संजय शुक्ला, प्रधानमंत्री पं.अनूप बाजपेई अन्नू और कार्यक्रम प्रभारी पं.प्रकाश बाजपेई ने बताया कि सर्व ब्राह्मण परिचय सम्मेलन में भारतीय संस्कृति और हिंदू एकता की झलक दिखी। सम्मेलन में आने वाले युवक युवती और समाज जनों को तिलक लगाकर भगवा टुपट्टा पहनाया। सम्मेलन का शुभारंभ युवतियों ने दीप प्रज्वलन करके वेद मंत्रों के बीच किया। बहुरंगी स्मारिका चयनिका 2025 का विमोचन हुआ, स्मारिका में सभी युवक युवतियों की जानकारी प्रकाशित की गई। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों से 1451 से अधिक युवक - युवतियों ने मंच से परिचय देकर जीवनसाथी को लेकर अपनी पसंद बताई।

इंदौर प्रेस क्लब में नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप में 200 से ज्यादा मीडियाकर्मियों ने कराया चेकअप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रविवार सुबह से इंदौर प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों के नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से आयोजित हेल्थ कैंप में विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञों ने सेवाएं दीं, जिसमें हृदय, कैंसर, पेट, हड्डी, दांत, महिला, शिशु, आंखों के रोग सहित 22 तरह की नि:शुल्क जांचें की गईं। इस मौके पर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की डायरेक्टर डॉ. दीप्ति सिंह हाड़ा एवं प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष सतीश जोशी विशेष रूप से मौजूद रहे। इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने स्वागत उद्बोधन दिया।

अतिथि स्वागत संजय त्रिपाठी, प्रियंका पांडेय, अभिषेक चेंडके, मुकेश तिवारी, पूनम शर्मा, श्याम कामले, विजय भट्ट आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव प्रदीप जोशी ने किया। प्रेस क्लब में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप में 200 से ज्यादा मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों की नि:शुल्क ईसीजी, बीपी, शुगर की जांच, आंखों की जांच, घुटनों एवं हड्डी रोगों से संबंधित जांचें, खून की जांच और दंत परीक्षण आदि किए गए। इसमें डॉ. पूजा बंसल, डॉ. सीमा यादव, डॉ. नंदनी, डॉ. अनन्या जैन, डॉ. साक्षी, डॉ. ऐश्वर्या महाजन, डॉ. अखिलेश सोलंकी, डॉ. मैत्रेयी दुबे, डॉ. अदिति भिड़े आदि ने सेवाएं दीं।

थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में मिला एडवोकेट तनुज दीक्षित को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● यूनाइटेड पीस कीपर्स फेडरल काउंसिल द्वारा सुप्रिम कोर्ट के एडवोकेट तनुज दीक्षित को प्रतिष्ठित 'सकारात्मक सामाजिक विकास के लिए विशिष्ट प्रतीक' प्रदान किया गया, यह सम्मान स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने में उत्कृष्ट नेतृत्व, प्रभावशाली सामुदायिक जुड़ाव और सार्थक योगदान के लिए उन्हें थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के 5 सीतारा होटल में प्रदान किया गया।

यह सम्मान UNPKFC के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है, यह एक असाधारण सामाजिक योगदान हेतु एक विशिष्ट सम्मान हैं। श्री तनुज दीक्षित को अनेकों समुदायों को सशक्त और बेहतर बनाने, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने, मानव विकास और दूसरों को सामूहिक विकास के प्रयासों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में उनकी असाधारण प्रतिबद्धता के लिए चुना गया है। यूनाइटेड पीस कीपर्स फेडरल काउंसिल की अध्यक्ष डॉ. अफिनिता चैचाना ने बताया, श्री तनुज दीक्षित सेवा, करुणा और समाज के प्रति समर्पण का सच्चा उदाहरण हैं। उनके योगदान ने भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की ज़िंदगी को छुआ है और सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में बड़े प्रयासों को प्रेरित किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतीक चिन्ह न केवल उनकी उपलब्धियों का सम्मान करता है, बल्कि मानवता के प्रति उनकी स्थायी प्रतिबद्धता का भी सम्मान करता है, श्री दीक्षित पॉजिटिव सोशल डेवलपमेंट, अटूट समर्पण, असाधारण नेतृत्व और सभी के लिए बेहतर न्यायपूर्ण दुनिया बनाने के लगातार प्रयासों का भी प्रमाण है, थाईलैंड में इस विशेष अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती डॉ. चेतना दीक्षित, बिटिया धनिष्का दीक्षित एवं सुश्री रंगसिमा थोंगपंचंग, कंट्री डायरेक्टर थाईलैंड मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी प्रोजेक्ट को झटका, हाईकोर्ट ने बेदखली पर लगाई रोक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उज्जैन सिंहस्थ 2028के एक अहम प्रोजेक्ट को हाईकोर्ट इंदौर से झटका लगा है। यह वाटर रिसोर्सेज डिपार्टमेंट का 614 करोड़ का सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी रिजर्वायर (लेक) प्रोजेक्ट है। इसके तहत सिलारखेड़ी लेक की क्षमता को बढ़ाना है। यहां पर बारिश के पानी को जमा किया जाएगा और इससे शिप्रा में पानी जाएगा। इससे सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्था होगी।

हाईकोर्ट में गए हैं 25 किसान

इंदौर हाईकोर्ट में इसके लिए हो रही 35 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के खिलाफ सिलारखेड़ी गांव के किसान गए हैं। किसानों की आपत्ति भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया व दावों को लेकर है। याचिका पर फिलहाल हाईकोर्ट ने यह राहत तो दी है कि प्रशासन भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई को जारी रख सकती है। इसके साथ ही इसमें प्रभावितों को किसी भी तरह से बेदखल करने पर रोक लगा दी है। इसमें सभी पक्षों से जवाब मांगा गया है।

सामाजिक अध्ययन रिपोर्ट पर उठे हैं सवाल

इसमें किसानों ने अधिग्रहण की प्रक्रिया, इसके लिए बनी सामाजिक प्रभाव को लेकर विशेषज्ञों की रिपोर्ट आदि पर सवाल खड़े किए हैं। इसमें कहा गया है कि इससे किसी का स्थायी विस्थापन नहीं हो रहा है। क्षेत्र में विकास होगा, आवागमन बेहतर होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इस पर किसानों ने सवाल खड़ा किया है कि मौजूद लेक की क्षमता बढ़ाने से किस तरह से आवागमन बेहतर हो जाएगा, कोई रोड नहीं बन रही है। किसानों का कहना है कि कई लोगों की पूरी जमीन जा रही है और स्थायी विस्थापित हो रहे हैं। सामाजिक अध्ययन व्यवस्थित नहीं किया गया है और न ही अधिग्रहण की प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से की गई है। इस रिपोर्ट पर बहस के दौरान हाईकोर्ट ने भी अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि लेक क्षमता बढ़ाने से आवागमन कैसे बेहतर होगा? क्या स्पीड बोट चलेगी? सभी तर्कों के सुनने के बाद हाईकोर्ट ने बेदखली पर रोक लगा दी। इसके पहले उज्जैन सिंहस्थ मेला क्षेत्र के जमीन अधिग्रहण का पेंच पहले ही फंस चुका है। हालांकि विरोध के बाद मध्य प्रदेश शासन ने स्थायी जमीन अधिग्रहण को रोक दिया है। वहीं, संशोधित आदेश से भी किसान संघ खुश नहीं है। इस पूरे मामले में अभी भी किसान वर्ग नाराज है।

राम मिल्क फूड एंड डेरी इंडस्ट्रीज के घी में जानवरों का अंश, 80 फीसदी तेल मिला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाईटेक फूड एंड ड्रग लैब का उद्घाटन किया था। वहीं, अब इस लैब का असर दिखने लगा है। अक्टूबर में इंदौर के पालदा में एक घी फैक्ट्री पर कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई में 20 लाख रुपए का घी जब्त किया गया था। इस घी के सेंपल की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

फूड एंड सेफ्टी ऑफिसर मनीष स्वामी की टीम ने 29 अक्टूबर 2025 को कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई पालदा स्थित श्री राम मिल्क फूड डेरी इंडस्ट्रीज और इसी परिसर में संचालित स्क्रब्ड राम मिल्क फूड एंड डेरी इंडस्ट्रीज पर की गई थी। इसमें विभिन्न ब्रांड एवं पैकिंग के घी के 10 नमूने लिए गए थे। साथ ही 3409 लीटर घी जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपए थी।

इन घी के 10 सेंपल की जांच में सात में भारी मात्रा में गड़बड़ी मिली है। इसके बाद कुछ सेंपल को उच्च स्तर की जांच के लिए केंद्र की मैसूर लैब में भेजा गया है। इस घी में जानवरों के अंश मिले हैं। यह बात लैब के अधिकारियों ने प्रशासन को बता दी है। वहीं, इस घी के अंदर वास्तव में घी की मात्रा 10-20 फीसदी के बीच ही आई है। बाकी इसमें वनस्पति और तेल निकला है।

इंदौर के पालदा में श्री राम मिल्क फूड एंड डेरी इंडस्ट्रीज पर कार्रवाई की गई, जिसमें 20 लाख रुपए का घी जब्त किया गया और जांच में घी में

जानवरों के अंश और 80% तेल मिला। घी के 10 सेंपल में से 7 में गड़बड़ी पाई गई, और इनमें घी की असली मात्रा केवल 10-20% थी, बाकी वनस्पति तेल था। इस फर्म के मालिक नरेंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी मंजू अग्रवाल हैं, जिन्होंने 2018 में कारोबार शुरू किया था। 2021 में मिलावट के मामले में केस हुआ था और पत्नी को जेल भी जाना पड़ा था। एक ही परिसर में तीन खाद्य प्रतिष्ठान चल रहे थे, जिनमें खाद्य सामग्री का भंडारण एक ही जगह पर किया जाता था। इंदौर में श्याम मार्केटिंग पर भी घी के सेंपल लिए गए, जिसमें नकली होने का संदेह था क्योंकि घी की कीमत केवल 270 रुपए थी। इस फर्म के मूल मालिक गुप्ता और उनकी पत्नी मंजू अग्रवाल हैं। इन्होंने साल 2018 में काम शुरू किया था। वहीं, मिलावट के मामले में 2021 में केस हुआ और पत्नी जेल भी गई थी। इसके बाद गुप्ता ने पत्नी को अलग कर ओमप्रकाश को हिस्सेदार बना दिया, जो उनका नौकर था। इसके बाद कई जिलों में इंदौर, उज्जैन, हरदा, धार, देवास, मंदसौर आदि में इसके सेंपल फेल हुए, तो खुद भी अलग हो गया था। इसके साथ ही, कागजों पर मालिक ओमप्रकाश को बना दिया।

इनके लिए गए थे जांच में सेंपल

घी के कई प्रकार के नमूने लिए गए थे। इनमें घी लूज, SRMI मदर चॉइस गाय का घी 1 लीटर, SRMI मदर चॉइस गाय का घी 500ml, SRMI मदर चॉइस घी 100ml, SRMI मिल्क क्रीम गाय का घी 500ml और SRMI मिल्क क्रीम देशी घी 1 लीटर शामिल थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 15 दिसंबर 2025

महाकाल-मंदिर के गर्भगृह के बाहर लगा 25 किलो चांदी का द्वार

दरवाजे पर नंदी, ओंकार, त्रिशूल की आकृतियां उकेरी गई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह के बाहर 25 किलोग्राम चांदी से निर्मित नया द्वार स्थापित किया गया है। यह द्वार कोलकाता की एक महिला श्रद्धालु द्वारा पिछले महीने दान किया गया था। गर्भगृह का आंतरिक और बाहरी परिसर पत्थर का होने के कारण, नए दरवाजे की माप के आधार पर तैयारी की गई। रविवार को इसे विधि-विधान से संध्या आरती के समय स्थापित किया गया। नवंबर के अंतिम सप्ताह में कोलकाता निवासी निभा प्रकाश ने मंदिर के पंडित भूषण व्यास की प्रेरणा से यह चांदी का दरवाजा दान किया था। इसे भगवान महाकाल के गर्भगृह के बाहर लगाया जाना था। इस

दरवाजे के दो लकड़ी के पल्लों में कुल 25 किलोग्राम चांदी का उपयोग किया गया है। दरवाजे के दोनों ओर नंदीजी, ओंकार, त्रिशूल, कलश की आकृतियों के साथ फूल और बेलबूटे उकेरे गए हैं।

दरवाजे की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए से अधिक

रविवार को दानदाता निभा प्रकाश ने सभामंडप में नए द्वार का विधि-विधान से पूजन किया, जिसके बाद इसे गर्भगृह के बाहर स्थापित किया गया। मंदिर समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने दानदाता को भगवान का प्रसाद और दुपट्टा भेंटकर सम्मानित किया। बाजार भाव के अनुसार, चांदी और निर्माण लागत को मिलाकर इस दरवाजे की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए से अधिक बताई गई है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

खदान में किसने किया खेला, टेंशन में दो माननीय और सरकार वह तिलस्मी आदेश... अब क्या होगा?

मंत्रालय में एक खदान से जुड़ी फाइल के खेल की चर्चा है। मंत्री जी अपनी सोशल मीडिया ब्रांडिंग को लेकर परेशान हैं, वहीं पुलिस की नाकामी से जनता का भरोसा टूटा है। पढ़ें आज के बोल हरि बोल में क्या यह सियासत की नयी चाल है या सिर्फ अफसरशाही का खेल? सत्ता, सिस्टम और सियासत...इन तीनों के बीच जो कुछ पकता है, उसकी महक अक्सर फाइलों से नहीं, फुसफुसाहटों से आती है। आज के बोल हरि बोल में कुछ ऐसे ही किस्से हैं, जिनकी खुशबू खुसर पुसर में ज्यादा है। मंत्रालय में इन दिनों एक बड़ी खदान की खूब चर्चा है।एक मंत्री जी को सोशल मीडिया एक्सपर्ट की तलाश है। वे इतने बेचैन हैं कि बस विज्ञापन नहीं दे पा रहे, बाकी सभी प्रयास किए जा रहे हैं। एक मंत्री जी अपने हमनाम नेता की वजह से टेंशन में हैं। सबसे खास जो हैं, वो डॉक्टर साहब का एक मैसेज है, जिसकी हर तरफ चर्चा है। देश, प्रदेश में खबरें तो और भी बहुत हैं। आप तो सीधे नीचे उतर आईए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

खदान में कौन कर गया खेल?

मंत्रालय के गलियारों में इन दिनों एक ही चर्चा गूंज रही है कि खदान की फाइल में आखिर किसने खेल कर दिया कहते हैं, मामला किसी छोटी खदान का नहीं, बल्कि बड़ी खदान से जुड़ा है, इसलिए खुसर पुसर हो रही है। दिलचस्प बात ये है कि खेल किसी बड़े अफसर ने नहीं, बल्कि एक छोटे लेकिन तेज अफसर ने अपने स्तर पर कर डाला है। ऊपर तक बताए बिना फाइल इधर-उधर हुई और नीचे ही नीचे फैसला भी हो गया। शुरू में सब कुछ इतना सलीके से हुआ कि किसी को भनक तक नहीं लगी। लेकिन मंत्रालय में फाइलें ज्यादा देर तक खामोश नहीं रहतीं। अब वही फाइल खुसर-फुसर का हिस्सा बन चुकी है। इसकी खबर सूबे के मुखिया तक भी पहुंच गई है। अब देखना है कि छोटा अफसर अकेला फंसेगा या फाइल के साये में बड़े नाम भी झुलसेंगे?

मंत्री जी की अजब उलझन!

इन दिनों सूबे के एक मंत्री जी की बेचैनी चर्चा का विषय बनी हुई है। हां भाई हां... । इसकी वजह न कोई फाइल है, न कोई विभागीय संकट। ये उलझन तो सोशल मीडिया पर चमकने की अधूरी चाहत है। मंत्री जी अपनी ब्रांडिंग को लेकर इतने सजग हैं कि उन्हें योग्य सोशल मीडिया इंचार्ज मिल ही नहीं पा रहा। हालात ये हैं कि अब तक दो-तीन कंपनियां बदल दी गईं, लेकिन मनपसंद चेहरा और मनचाहा कंटेंट अभी भी सपना बना हुआ है। मंत्री जी की अपेक्षाएं आसमान छूती हैं। उनके नाजो-नखरे इतने हैं कि कोई उनके सोशल मीडिया हैंडल्स संभालना ही नहीं चाहता है। कहते हैं कि काम से ज्यादा मंत्री जी के मूड का मैनेजमेंट करना पड़ता है। मंत्री जी की तलाश अब भी जारी है।

खाकी की किरकिरी, अफसरों की खामोशी

प्रदेश में इन दिनों पुलिस की खूब भद्द पिट रही है। आला अफसरों का रवैया इतना सुस्त है कि मैदानी अफसरों की मनमानी खुलकर सामने आ रही है। जिसे जो ठीक लग रहा है, वही कर रहा है और पूछने वाला कोई नहीं है। नतीजा ये कि जनता का भरोसा लगातार दरक रहा है। बड़े और संवेदनशील मामलों में पुलिस की नाकामी भी अब कोर्ट तक पहुंच रही है। अदालतें एक के बाद एक फटकार लगा रही हैं, लेकिन अफसरों की नींद फिर भी पूरी हो रही। सबसे ज्यादा चर्चा एक साहब की है, जो प्यार-मोहब्बत के चक्कर में फंस गए हैं। उन्हें बचाने में पूरा अमला लगा हुआ है। जांच के नाम पर खानापूर्ति चल रही है और फाइलें गोल-गोल घूम रही हैं। अंदरखाने कहा जा रहा है कि जब तक कोर्ट सख्त कदम नहीं उठाएगा, तब तक ऊपर बैठे अफसरों के कान पर जूं नहीं रेंगने वाली।

दिल्ली दरबार में बेटे की लॉन्चिंग

सूबे की सियासत में फिलवक्त एक नेताजी फिर सक्रिय नजर आने लगे हैं। दरअसल, वे बेटे को लॉन्च करने की तैयारी में हैं। हाल ही में नेताजी दिल्ली पहुंचे और वहां तीन सीनियर मिनिस्टर्स से मुलाकात की। बाहर से देखने वालों को यह शिष्टाचार भेंट लग सकती है, लेकिन ये मुलाकातें पूरी तरह रणनीतिक थीं। नेताजी खुद पिछली सरकार में अहम विभाग संभाल चुके हैं, अब मौजूदा सरकार में उन्हें किनारे कर दिया गया है। इसके बाद से वे थोड़ा असहज हैं और तबीयत भी अक्सर नासाज रहती है। लिहाजा, नेताजी अब खुद की नहीं, बल्कि सियासत की विरासत आगे बढ़ाने की तैयारी में हैं। दिल्ली दरबार में हाजिरी इसी सिलसिले का हिस्सा मानी जा रही है। आपको बता दें कि ये नेताजी महाराज के खासमखास हैं। सूबे के पूर्व सरकार से भी उनकी अच्छी पटरी बैठती है।

खबरों से बढ़ जाती है मंत्री जी की बेचैनी

सूबे के एक मंत्री जी इन दिनों कुछ तनाव में बताए जा रहे हैं। वजह कोई विभागीय फाइल नहीं, बल्कि उनका नाम है, जो बार-बार अखबारों और टीवी स्क्रीन पर चमक रहा है। हालांकि असल कहानी थोड़ी घुमावदार है। दरअसल, मामला मंत्री जी का नहीं, बल्कि उनके हमनाम एक नेता जी का है, जिनका नाम एक गंभीर केस में आ गया है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठन के आदेश दिए हैं और यहीं से मंत्री जी की मुश्किलें शुरू हो गई हैं। जैसे ही खबर में नाम उछलता है, मंत्री जी की धड़कन तेज हो जाती है। लोग पूरा मामला पढ़ें या न पढ़ें, बस नाम देखते ही जोड़-घटाव शुरू हो जाता है। विरोधी इस मौके को भुनाने में पीछे नहीं हैं। सोशल मीडिया पर माहौल गरमाया जाता है और इशारों-इशारों में मंत्री जी को घेरने की कोशिश होती है।

तिलस्मी सरकारी भाषा!

सरकारी भाषा कितनी तिलस्मी होती है, ये मामला उसकी बानगी है। ये केस आईएएस संतोष वर्मा से जुड़ा है। राज्य सरकार ने केंद्र को कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा है। बाहर की दुनिया में साफ संदेश देने की कोशिश हो रही है कि सरकार सख्त है और बर्खास्तगी तय मानी जाए। समाज इसे अपनी जीत भी मान बैठे हैं। लेकिन फाइल की असली कहानी कुछ और ही है। प्रशासनिक जानकार बताते हैं कि सरकार का प्रस्ताव खुद ही सवालों से घिरा हुआ है। उसमें यह साफ नहीं लिखा है कि सरकार वर्मा को नौकरी से बाहर करना चाहती है या सिर्फ उनका प्रमोशन रोकना चाहती है। 12 दिसंबर को DoPT को भेजी गई फाइल में ठोस आधार, नियमों का हवाला और कार्रवाई का स्पष्ट उद्देश्य नदारद है। एक पूर्व मुख्य सचिव कहते हैं कि ऐसी धुंधली फाइलें अक्सर दिल्ली से वापस लौट आती हैं। ऐसे में कार्रवाई से ज्यादा किरकिरी अब उस सरकारी भाषा की हो रही है, जिसने पूरे मामले को तिलस्मी बना दिया है।

उनका काम मंत्रालय में है...

डॉक्टर साहब ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़े साहब को लेकर जो कहा है, उसकी खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, गाहे-बगाहे बड़े साहब डॉक्टर साहब के मानो निशाने पर ही रहते हैं। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तो डॉक्टर साहब ने सीधे कह दिया कि उनका (बड़े साहब) काम मंत्रालय में है। वे वहां फाइलें निपटाएं। उनकी यहां जरूरत नहीं है। अब अधिकारियों के बीच में चर्चा है कि क्या डॉक्टर साहब किसी मामले को लेकर बड़े साहब से खफा हैं, क्योंकि जिस मौके पर डॉक्टर साहब ने ये बात कही है, वो सरकार के लिहाज से बड़ा इवेंट था। सत्ता के शीर्ष लोग उस मंच पर थे, लेकिन बड़े साहब कहीं नजर नहीं आ रहे थे। इसे लेकर अब तमाम तरह की कयासबाजी हो रही है।

लोक अदालत में बिजली कंपनी के 6 हजार 793 प्रकरण निराकृत - 2.30 करोड़ रूपये की दी छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी कंपनी को इस कैलेंडर वर्ष की आखिरी लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण में आशातीत सफलता मिली है। लोक अदालत में बिजली वितरण कंपनी के 6 हजार 793 प्रकरण निराकृत हुए हैं, 5 हजार 111 उपभोक्ताओं, बिजली उपयोगकर्ताओं को 2.30 करोड़ रूपये की छूट नियमानुसार, पात्रता अनुसार प्रदान की गई है । विद्युत वितरण कंपनी को 10.93 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस दौरान सबसे ज़्यादा इंदौर जिले से करीब दो करोड़ रूपये, देवास जिले से डेढ़ करोड़ रूपये से ज्यादा, उज्जैन जिले से करीब सवा करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान करने की प्रभावी तैयारी की गई थी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने सतर्कता व मैदानी कार्मिकों के माध्यम से लोक अदालत के लिए सघनतम प्रयास किए थे। कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में लोक अदालत के लिए दो हजार से ज्यादा कार्मिकों ने अधिक से अधिक प्रकरण हल कराने के निमित्त सेवाएं दी। लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौते की सीमा निर्धारित थी। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, धारा 126 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30% एवं ब्याज की राशि पर 100% की छूट, लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20% एवं ब्याज की राशि पर 100% छूट निर्धारित थी।

किशोरी विकास का एकत्रीकरण पर कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● नगर में किशोरी विकास का एकत्रीकरण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बालिकाओं को अलग अलग प्रकार की गतिविधि कराई गई। उदघाटन सत्र में सेवाभारती के सोहन लाल परमार और सेवाभारती इंदौर विभाग सह सचिव श्रीमती सुषमा कटारिया द्वारा सेवाभारती परिचय के साथ साथ किशोरी गतिविधि के विषय में बताया। अन्य सत्रो में संभाग किशोरी प्रमुख पूजा नागर और प्रमुख शिक्षकों के द्वारा किशोरी केंद्र का संचालन किस प्रकार से किया जाता है इसका प्रशिक्षण दिया गया सरस्वती शिशु मंदिर देपालपुर में संपन्न कार्यक्रम में 8 बस्तियों से 106 बालिकाएं 12 कार्यकर्ता 11 मातृशक्ति सहित 129 लोगों उपस्थित थे। मातृशक्ति सत्र सुषमा कटारिया के द्वारा लिया गया जिसमें महिलाओं के द्वारा किस प्रकार के कार्य देपालपुर में करना संभव है यह बताया गया। समापन सत्र में रूपसिंह नागर के द्वारा लिया गया जिसमें नैतिक शिक्षा का विषय बालिकाओं के सामने वक्तव्य और चर्चा के माध्यम से लिया। आगामी बहिनों के द्वारा संकल्प लिया गया जिसमें 9 स्थानों पर नवीन किशोरी केंद्र का संचालन करेंगी। कार्यक्रम की समग्र भूमिका और सार्थक बनाने का कार्य मुकेश जी योजना प्रमुख और देपालपुर में निवासरत प्रकल्प संचालक दीदियों द्वारा की गई।

कन्यादान सब दानों में सर्वश्रेष्ठ और पूज्यदायी है : महामंडलेश्वर उत्तम स्वामीजी महाराज

इंदौर ● संस्था सृजन का सनातन समरसता सामूहिक विवाह खालसा स्टेडियम,राजमोहला में आयोजित किया, जिसमे 65 वर-वधु ने सात फेरे लिए। भोजन और फेरे कन्यादान की कमान मातृशक्ति संभाली, महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित सामूहिक विवाह सनातन समरसता की मिसाल बना। पहली बार हुए महिला संगीत में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रस्तुति दी। संस्था सृजन अध्यक्ष कमलेश खंडेलवाल,संयोजक गोविंद गोयल ने बताया कि संस्था सृजन द्वारा आयोजित 15 वा सर्वधर्म सामूहिक विवाह हुआ, संस्था द्वारा अब हुए 14 आयोजनों में अब तक 1079 बेटियों का विवाह कराया जा चुका है। इस बार संस्था द्वारा 65 बेटियो के विवाह हुआ। यह आयोजन महामंडलेश्वर श्री उत्तम स्वामीजी के सानिध्य में हुआ ।

शिव महाराज पाटील को पत्नी शोक

इंदौर ● शहर के प्रख्यात रसोईए एवं मिठाई निर्माता शिव महाराज पाटील की धर्मपत्नी तथा यशवंत पाटील की मातुश्री श्रीमती नलिनी पाटील का आज आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। श्रीमती पाटील धार्मिक सामाजिक सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी बनी रहीं। प्रतिवर्ष अपने निवास पर ढाई दिन के लिए गौरी मां को आमंत्रित कर उनकी पूजा-अर्चना का उत्सव वे पिछले कई वर्षों से मनाती आ रही थीं। अंतिम यात्रा सोमवार 15 दिसम्बर को सुबह 10 बजे उनके पवनपुरी पालदा, रूबी स्टील वाली गली से रीजनल पार्क मोक्ष धाम जाएगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

खजराना आरई 2 कब्जा हटाने में बाधा बन रहे अतिक्रमणकारी, अतिरिक्त पुलिस बल की मांग

अतिक्रमण पर चलेगा निगम का पीला पंजा, कई बार नोटिस के बावजूद भी नहीं हटाया गया था अतिक्रमण ...

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना में शासकीय भूमि पर अवैध पटेल नगर से लगे दाऊदी नगर कालोनी में आरई-2 पर कब्जों की वजह से सड़क का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा। आइडीए ने कल कब्जे हटाना तय किया है, जिसके लिए पुलिस बल मांगा है। आइडीए के सीईओ ने एडीएम को चिट्ठी भेजी है कि एमआर-9 से एमआर-10 के बीच आरई-2 से कब्जे हटाए जाना हैं। कल सुबह साढ़े दस बजे

से मुहिम चलना है। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी जरूरी है, ताकि कार्रवाई आसान हो सके। अमला बैंक ऑफ इंडिया चौराहे पर इकट्ठा होकर कार्रवाई शुरू करेगा। हाल ही में हुई बोर्ड बैठक में आइडीए अपनी स्कीम की जमीन से कब्जे हटाने के लिए बड़ा फैसला कर चुका है। हालांकि स्कीम-134 की काफी जमीन पर मकान बन चुके हैं।

सम्पादकीय

केंद्र सरकार ने मनरेगा को बनाया 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना', काम करने के दिनों में होगी बढ़ोतरी

यह दूसरी बार है, जब इस कानून या योजना का नाम बदला गया है। इसे वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) के नाम से लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2009 में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कर दिया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा गांवों के अकुशल लोगों के लिए काम पाने और अपनी आजीविका चलाने का एक बहुत बड़ा सहारा है। अगर किसी ग्रामीण को और कहीं काम न मिले तो वह मनरेगा के तहत रोजगार पा सकता है। इस कानून के तहत सौ दिन के कार्य की गारंटी दी गई है। केंद्र सरकार ने अब इन कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाकर एक सौ पच्चीस करने का फैसला किया है और इससे संबंधित विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। इसे अब मनरेगा नहीं बल्कि 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' के नाम से जाना जाएगा। यानी अब इसके नए स्वरूप में काम की गारंटी होगी या नहीं, इसको लेकर अभी आधिकारिक रूप से स्थिति स्पष्ट नहीं है। मगर कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाने का निर्णय देश की ग्रामीण आबादी के लिए रोजगार के लिहाज से एक महत्त्वपूर्ण कदम है, क्योंकि ग्रामीण इलाकों में आज भी रोजगार का अभाव है और अगर सौ दिन काम मिल भी जाए, तो उसके पारिश्रमिक से घर-परिवार चलाना व्यावहारिक रूप से बहुत मुश्किल है। यह दूसरी बार है, जब इस कानून या योजना का नाम बदला गया है। इसे वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) के नाम से लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2009 में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कर दिया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना है। इसके तहत प्रत्येक परिवार के अकुशल सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम सौ दिनों का गारंटीकृत रोजगार प्रदान करने का प्रावधान है। अब उसके कार्य दिवस में बढ़ोतरी की पहल स्वागतयोग्य है, लेकिन यह सही मायने में तभी सफल मानी जाएगी, जब इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से अमल में लाया जाए। इसमें दोराय नहीं कि कोविड महामारी के दौरान जब कई उद्योग-धंधे बंद हो गए और हजारों लोग बेरोजगार हुए, तो इसी योजना ने ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सहारा दिया था।

निकाय चुनाव में जीत से भाजपा क्यों गदगद, जानिए पूरी इनसाइड स्टोरी

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है पार्टी ने राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में निगम पर जीत हासिल कर ली हैउत्तर भारतीय कहे जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए यह एक अनपेक्षित सफलता हैभाजपा ने तिरूवनंतपुरम नगर निगम में 101 में से 50 वार्डों में जीत हासिल की यहां सत्तारूढ़ एलडीएफ केवल 29 और कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ 19 सीटों पर सिमट गया दो सीटें निर्दलीयों के खाते में गईं यह राजधानी पर पिछले 45 वर्षों से कायम लेफ्ट फ्रंट के दबदबे के खात्मे की शुरुआत है इस जीत का महत्व इस बात से पता चलता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसके लिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी है उन्होंने लिखा कि यह जनादेश केरल की राजनीति में एक वॉटरशेड मोमेंट हैलोग यह मानते हैं कि विकास केवल भाजपा गठबंधन ही कर सकता हैहम इस शहर की तरक्की और लोगों के लिए ईज़ ऑफ लिविंग सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया उन्होंने लिखा कि कार्यकर्ताओं ने लंबा संघर्ष किया है ।

भाजपा की यह जीत कांग्रेस के लिए भी भारी झटका है तिरुवनंतपुरम सीट से शशि थरूर कांग्रेस के सांसद हैं हाल ही में वे पीएम मोदी की प्रशंसा और कांग्रेस की बड़ी बैठकों से गैरहाजिरी के कारण सुर्खियों में रहे हैंकांग्रेस ने वैसे पूरे राज्य में बेहतर प्रदर्शन किया है ग्रामीण इलाकों की बात करें तो वहां यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही मुकाबला हुआ है लेकिन भाजपा ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत कर इन पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए खतरे की घंटी जरूर बजा दी है भाजपा ने इस बार त्रिपुनिथुरा नगरपालिका पर जीत हासिल की हैजबकि पालक्कड़ नगरपालिका में एनडीए शुरुआती रुझानों में आगे रहाइस बार राज्य भर में भाजपा 577 वार्डों पर या तो जीती है या बढ़त में रही यह उसके हाशिए से मुख्यधारा में आने का संकेत है शहरी क्षेत्रों में उसका अभूतपूर्व उछाल देखा जा रहा है। केरल में 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया था । हालांकि यह उम्मीद थी कि कांग्रेस पार्टी वामपंथियों से बेहतर प्रदर्शन करेगी, लेकिन त्रिशूर से भाजपा उम्मीदवार की जीत पर कई लोगों को विश्वास नहीं हो रहा था। मलयालम फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता और समाजसेवी सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर प्रतिद्वंद्वी सीपीआई उम्मीदवार को 74,686 वोटों के बड़े अंतर से हराकर जीत हासिल की। वे कमल के चिन्ह पर केरल से लोकसभा के लिए चुने जाने वाले पहले उम्मीदवार बन गए। भाजपा ने केरल में 1914 प्रतिशत वोट हासिल किए, जो अब तक के किसी भी चुनाव में उसका सबसे अधिक वोट शेयर है। वाम गठबंधन को एक सीट मिली, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) ने 20 में से 18 सीटें जीतीं।

पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में चुनावी करारी हार के बाद, केरल वामपंथी दलों का आखिरी गढ़ बचा है। वामपंथी गठबंधन 2016 में केरल में सत्ता में आया और 2021 में भी उसने अपनी जीत दोहराई, उस राज्य में सत्ता-विरोधी लहर को मात देते हुए जो हर पांच साल

में सरकार बदलने के लिए जाना जाता है। लेकिन घोटालों और भाई-भतीजावाद के विभिन्न आरोपों, सेल शासन और सीपीआईएम द्वारा सरकारी तंत्र पर नियंत्रण के कारण राज्य सरकार के खिलाफ जनभावना में तेजी आई है। सत्ताधारी सीपीआईएम भी कई आंतरिक समस्याओं का सामना कर रही है, जिसके कारण अक्सर उसकी संगठनात्मक संरचना कमजोर हो जाती है। केरल में भाजपा के एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने के साथ, यह विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है कि क्या वामपंथी दल अपने अंतिम गढ़ में अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं।केरल में शुरू से ही द्विध्रुवीय राजनीति चलती रही है। सीपीआईएम के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) और यूडीएफ राजनीतिक परिदृश्य पर हावी थे, जबकि भाजपा एक अलग तीसरे स्थान पर थी, जिसकी उपस्थिति दक्षिणी केरल में सबसे अधिक महसूस की जाती थी। 2014 में स्थिति तब बदलनी शुरू हुई जब भाजपा उम्मीदवार ओ राजगोपाल तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस के शशि थरूर से 15,470 वोटों के मामूली अंतर से हार गए। लेकिन 2016 के राज्य विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने पहली बार नेमोम निर्वाचन क्षेत्र (तिरुवनंतपुरम जिला) में विधानसभा सीट जीती। हर चुनाव के साथ, भाजपा के मतदान प्रतिशत में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

देश के अन्य हिस्सों में भाजपा की अभूतपूर्व वृद्धि केरल में अब तक दो कारणों से नहीं देखी जा सकी है: (i) अल्पसंख्यक आबादी की उच्च सांद्रता (45-50 प्रतिशत) और (ii) कम्युनिस्ट दलों की मजबूत उपस्थिति। परंपरागत रूप से, मुस्लिम (केरल की आबादी का 28 प्रतिशत) और ईसाई (18 प्रतिशत) ने सामूहिक रूप से यूडीएफ को वोट दिया, जबकि एझवा (26 प्रतिशत) ने मुख्य रूप से एलडीएफ को वोट दिया। नायर (14 प्रतिशत) भाजपा का एकमात्र वोट बैंक थे। भाजपा जानती थी कि एझवा और ईसाई समुदाय के समर्थन के बिना केरल में सीटें जीतना असंभव है। यह जानते हुए कि एझवा समुदाय एलडीएफ का मुख्य वोट बैंक है, भाजपा ने भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) नामक एक राजनीतिक दल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे एझवा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले जाति संगठन श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एसएनडीपी) ने शुरू किया था। तब से, बीडीजेएस भाजपा की सहयोगी रही है। इस गठबंधन ने एझवा वोटों को एनडीए की ओर आकर्षित किया। ईसाई मतदाताओं को लुभाने के लिए, पार्टी ने अल्फोंस कन्ननथनम, जैकब थॉमस, अनिल एंटनी (पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री एके एंटनी के पुत्र) और कई अन्य प्रमुख ईसाई चेहरों को मंच पर उतारा। पार्टी ने क्रिसमस और ईस्टर के उत्सवों के दौरान ईसाई घरों में जाकर स्नेह यात्रा का भी आयोजन किया। त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में, जहां भाजपा ने जीत हासिल की, ईसाई आबादी का 21 प्रतिशत हिस्सा है और भाजपा को उनके कुछ वोट मिले। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपना वोट शेयर 2019 के 1564 प्रतिशत से बढ़ाकर सर्वकालिक उच्च स्तर 1914 प्रतिशत कर लिया था । भाजपा ने पूरे राज्य में वोटों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की। पार्टी तिरुवनंतपुरम और अटिंगल लोकसभा सीटों पर लगभग 16,000 वोटों के मामूली अंतर से हारी। उन्होंने अलाप्पुझा और अलाथुर की संसदीय सीटों पर भी अपने वोटों में एक लाख की वृद्धि की। विश्लेषण के अनुसार, भाजपा 11 विधानसभा क्षेत्रों में पहले स्थान पर और 8 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही।

भाजपा के जीतने की क्षमता के वर्गीकरण के अनुसार, तिरुवनंतपुरम और अटिंगल लोकसभा दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को 'ए प्लस' सीटों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 'ए प्लस' सीटों में जीत की संभावना ज्यादा मानी जा रही है। भाजपा ने तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट में नेमोम, कझाकूटम और वट्टियुरकावु विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की और अट्टिंगल लोकसभा सीट पर अट्टिंगल और कट्टक्काडा क्षेत्रों में भी बढ़त बना ली। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर कांग्रेस की संकीर्ण जीत का कारण तटीय क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का पलड़ा भारी रहा। लेकिन अटिंगल ने यूडीएफ, एलडीएफ और एनडीए के बीच तीखानी लड़ाई देखी, जहां यूडीएफ उम्मीदवार ने केवल 684 वोटों के मामूली बहुमत से जीत हासिल की। जीतने वाले उम्मीदवार और भाजपा उम्मीदवार के बीच का अंतर केवल 16,272 था।

अलप्पुझा एक और सीट है जहां भाजपा ने असाधारण प्रदर्शन किया। पार्टी को 2014 में केवल 431 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 1724 प्रतिशत हो गए और 2024 में 283 प्रतिशत वोट भी बढ़ गए। पार्टी की उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन को एझवा समुदाय का अपार समर्थन मिला और यहां तक कि एसएनडीपी के पदाधिकारियों ने भी उनके लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया। अलप्पुजुहा एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र था जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में वामपंथियों ने जीत हासिल की थी। मौजूदा सांसद और एलडीएफ उम्मीदवार ए एम आरिफ इस बार कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन सचिव केसी वेणुगोपाल से चुनाव हार गए। वाम दलों के गढ़ अलप्पुझा में भाजपा का शानदार प्रदर्शन स्पष्ट रूप से केरल की राजनीति के बदलते रुझानों को इंगित करता है।

वामपंथियों को जो बात परेशान करती है, वह यह है कि भाजपा उनके खर्च पर बढ़ रही है। कई निर्वाचन क्षेत्रों में, भाजपा का बढ़ा हुआ वोट शेयर सीधे वामपंथियों के वोट नुकसान के अनुपात में है। यहां तक कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निर्वाचन क्षेत्र और कन्नूर के लोकसभा क्षेत्र में भी ऐसा हुआ, जो माकपा और भाजपा के बीच राजनीतिक हिंसा के लिए कुख्यात है। इतिहास में पहली बार, भाजपा ने कन्नूर लोकसभा क्षेत्र में भी एक लाख मतों का आंकड़ा पार कर लिया, जहां माकपा को कांग्रेस उम्मीदवार से हार का सामना करना पड़ा।

दरअसल इस समय राज्य सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के व्यापक आरोपों का सामना कर रही है। राज्य में राजकोषीय पतन की आशंका मंडरा रही है, और साथ ही, केरल सरकार भी राज्य की कानून और व्यवस्था की स्थिति सुनिश्चित करने में विफल रही है। हमलों का बढ़ना, विशेष रूप से राजधानी तिरुवनंतपुरम में, और केरल पुलिस द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थता चिंता को बढ़ाती है। इसके अलावा पार्टी के सदस्यों के प्रति पक्षपात के कई आरोप लगे हैं। राज्य सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर असाधारण रूप से अधिक है। लेकिन माकपा जैसे शक्तिशाली संगठन के खिलाफ बोलने का डर आम लोगों में नजर आ रहा है, इसलिए वे चुनाव को अपना गुस्सा जाहिर करने का विकल्प मानते हैं। मालाबार में एक ताकत बनने और मुस्लिम लीग को राजनीतिक झटके देने के लिए, एलडीएफ ने मुस्लिम तुष्टिकरण का सहारा लिया, जिसने हिंदुओं और ईसाइयों दोनों को समान रूप से नाराज कर दिया। सीएए और भाजपा की राजनीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन अंततः हिंदू विरोधी बयानबाजी में बदल गया। केरल में माकपा के ज्यादातर मतदाता हिंदू हैं। इसलिए, माकपा और भाजपा दोनों को एक ही वोट बैंक से लाभ उठाना होगा, और माकपा से मोहभंग हो चुके मतदाताओं ने भाजपा के प्रति अपनी वफादारी बदल दी है। केरल में मुसलमानों के आर्थिक प्रभुत्व से डरकर ईसाई धीरे-धीरे भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा स्थानांतरित कर रहे हैं।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

हर विधानसभा में बनेगा खेल परिसर, पुलिस और सेना में जाने युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे - सारंग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हर विधानसभा में खेल मैदान बनाया जाएगा। पुलिस और सेना में जाने इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर खरगोन के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। खेल, युवा एवं सहकारिता मंत्री सारंग ने कहा कि ये दो वर्ष विकास और कल्याण के लिए बेमिसाल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्थापित 'डबल इंजन' की परिभाषा और मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश में विकास व कल्याण को आगे बढ़ाने के प्रयासों का उल्लेख किया। मंत्री सारंग ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वर्ष 2025 को औद्योगिक वर्ष के रूप में स्थापित किया है। यह वर्ष औद्योगिक और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश आकर्षित किया गया है। उन्होंने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और दूध उत्पादन में मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने और इंदौर-भोपाल में मेट्रो सेवा शुरू होने की जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में 10 लाख और ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख 46 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। आगामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सारंग ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में एक खेल परिसर का निर्माण किया जाएगा। युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और पुलिस व सेना में भर्ती के इच्छुक युवाओं को 'पार्थ योजना' के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर डाक टिकट और सिक्के जारी करने का भी उल्लेख किया।

कार पलटने से मैनेजर की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा-अमरावती स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार कार पलटने से ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। अंधेरा और लंबा टर्न होने के कारण कार ने तीन बार पलटी खाई। हादसे में कार सवार दो अन्य युवक भी घायल हुए हैं। मृतक की पहचान ग्राम कोरगला निवासी कपिराज पटेल (30) के रूप में हुई है। शव का रविवार दोपहर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। कपिराज एक निजी पेस्टिसाइड कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर थे। शनिवार सुबह वे कंपनी के काम से दोस्तों के साथ बुरहानपुर के देड़तलाई गए थे। देर शाम वहां से घर लौटते समय खंडवा जिले के ग्राम बोरखेड़ा के पास हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि स्टेयरिंग फेल होने से कार बेकाबू होकर पलट गई। कार कपिराज खुद चला रहे थे। बोरखेड़ा गांव से पहले एक लंबा टर्न है, जहां कार स्पीड में होने के कारण सड़क किनारे पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी हीरालाल पाटिल ने बताया कि ड्राइवर साइड का कांच टूटा हुआ था। पलटी खाते समय ड्राइवर का सिर बाहर निकला और पत्थर से टकरा गया, जिससे उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने कांच फोड़कर बाकी दो घायलों को बाहर निकाला। हादसे से ठीक 5 मिनट पहले कपिराज ने पत्नी को फोन किया था। उन्होंने कहा था, 'मैं आधे घंटे में घर पहुंच जाऊंगा, भूख लगी है, खाना तैयार रखना।' लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी मौत की खबर पहुंची। रिश्तेदारों ने बताया कि कपिराज संयुक्त परिवार में रहते थे और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। उनकी पत्नी 9 महीने की गर्भवती हैं। डॉक्टरों ने डिलीवरी के लिए आने वाली 25 दिसंबर की तारीख दी है। इससे पहले परिवार में एक डेढ़ साल की बेटी है।

प्रभारी मंत्री ने मोदी-शिवराज की उपलब्धियां गिनाईं

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल पूरे होने पर उनकी उपलब्धियों को शेयर करने प्रभारी मंत्रियों को उनके जिलों में भेजा गया है। आज शनिवार को खंडवा में प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक ली, फिर उन्होंने प्रेसवार्ता में सरकार की उपलब्धियां बताई। इस दौरान जो काम गिनाए गए, वो केंद्र और पूर्व की शिवराज सरकार से जुड़े थे। प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने डॉ. मोहन यादव सरकार से जुड़ी एक भी उपलब्धि नहीं गिनाई। उन्होंने आदिगुरु शंकराचार्य, ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्लांट, लाड़ली लक्ष्मी योजना व किसानों को खेती के लिए मिलने वाली 10 घंटे की बिजली, घरेलू उपभोक्ताओं को मिलने वाली 24 घंटे की बिजली, समर्थन मूल्य पर गेहूं, मूंग की खरीदी, संजीवनी क्लिनिक और आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण जैसे काम गिनाए। यह कि शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते चले आ रहे हैं। वहीं मंत्री ने चार साल पहले केंद्र सरकार से स्वीकृत और निर्माणाधीन इंदौर से इच्छापुर नेशनल हाईवे को भी मोहन यादव सरकार के दो साल में गिनवा दिया।

दरअसल, प्रभारी मंत्री ने खुद मौखिक रूप से उपलब्धियां ना गिनाते हुए जिला प्रशासन द्वारा मिली बुकलेट का वाचन किया। भास्कर रिपोर्टर ने पूछा कि, आपने बतौर प्रभारी मंत्री खंडवा जिले के लिए क्या किया, चारों विधायक, सभी जनप्रतिनिधि बीजेपी से आते हैं, बावजूद जिले को कोई बड़ी उपलब्धि नहीं दिला सकें? इस पर प्रभारी मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। वहीं केंद्र और शिवराज सरकार के काम गिनाने पर कहा कि यह लोग तो हमारी पार्टी के ही लोग हैं। काम भले ही पहले से स्वीकृत हैं, लेकिन पूरे इस सरकार में हुए हैं। प्रेसवार्ता के साथ ही जिला सलाहकार समिति की बैठक में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले उठाए गए। पंचायत विभाग के तहत स्कूलों की बाउंड्रीवॉल का मामला पंधाना विधायक छाया मोरे ने उठाया। छैगांव माखन में चार साल से खड़ी एम्बुलेंस का ड्राइवर नहीं होने का सवाल छैगांवमाखन जनपद के अध्यक्ष महेंद्रसिंह सावनेर ने उठाया। अध्यक्ष सावनेर ने उद्वहन सिंचाई योजना का मामला भी उठाया और कहा कि, प्रेशर से किसानों को पानी नहीं मिल रहा हैं। लाइनें फूट रही हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर ने कहा कि जिले में नहाल-निहाल समुदाय के लोगों को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से बाहर किया जाएगा। इस पर कलेक्टर ने जवाब दिया कि उन्हें पूर्व में जारी हुए एसटी सर्टिफिकेट गलत तरीके से जारी किए गए, जबकि खंडवा जिले में मांझी और निहाल समाज ओबीसी वर्ग में आते हैं। इसी तरह जिला सलाहकार समिति व प्रेसवार्ता में कई मुद्दों पर प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा कि यह मेरे संज्ञान में नहीं था, आपने यह बात बताई हैं, कार्रवाई के लिए कहूंगा। उन्होंने कलेक्टर ऋषव गुप्ता से कहा, प्रशासनिक कसावट का जिम्मा आपका हैं। आप व्यवस्था को टाइट कीजिए। मंत्री ने सीएमएचओ डॉ ओपी जुगतावत से कहा कि, हेल्थ डिपार्टमेंट की शिकायतें बहुत मिलती हैं।

निंबोला ओवरब्रिज पर फोरलेन पर काम से लगा लंबा जाम, इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर एंबुलेंस फंसी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर शनिवार को निंबोला ओवरब्रिज के पास फोरलेन निर्माण कार्य शुरू होने से लंबा जाम लग गया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक वाहनों की तीन से चार किलोमीटर लंबी कतारें दोनों ओर लगी रहीं। इस जाम में इंदौर जा रही एक एम्बुलेंस भी फंस गई, जिसमें एक मरीज था। निंबोला ओवरब्रिज से बुरहानपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर काम शुरू होने के कारण यह स्थिति बनी। जाम के कारण वाहन चालकों और स्कूली विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। निंबोला पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों ने यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। 108 एम्बुलेंस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अंकित नागर ने बताया कि जाम के कारण मरीज को इंदौर ले जाने में काफी

दिक्कत हुई। झिरी से लेकर रईपुरा तक भी जगह-जगह जाम की स्थिति बनी हुई थी। स्थानीय ग्रामीणों ने फोरलेन निर्माण को आवश्यक बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि काम में हो रही देरी और रुक-रुक कर काम होने से परेशानी बढ़ रही है। ग्रामीण रामदास महाजन और देवेंद्र देशमुख ने मांग की कि काम को बिना किसी अंतराल के लगातार जारी रखा जाए ताकि यह जल्द पूरा हो सके और लोगों को कम परेशानी हो।

दुकान खाली कराने व्यापारी 'चोर गैंग' लेकर पहुंचा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बुधवारा बाजार में अपनी खरीदी हुई दुकान का कब्जा लेने के लिए एक व्यापारी ने चोरों की गैंग बना ली। वह 15 लोगों और एक पिकअप वाहन के साथ रात 2 बजे दुकान पर पहुंचा और कटर मशीन से ताले तोड़कर सामान खाली करवाने लगा। तभी मार्केट के चौकीदार ने देख लिया। पुलिस ने जांच के बाद दुकान मालिक विनायक उपाध्याय समेत 15 लोगों पर केस दर्ज किया है। विनायक सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला 70 लाख रुपए की दुकान के कब्जे से जुड़ा है। कोतवाली पुलिस की जांच में सामने आया कि मामला कब्जे का है। व्यापारी ने दुकान खरीदी थी, लेकिन उसे कब्जा नहीं मिल रहा था। विरोध होने के डर से उसने रात में दुकान पर कब्जा करने का प्लान बनाया। इसके लिए पिकअप वाहन भाड़े पर लिया और 15 लोग इकट्ठे किए, ताकि दुकान के भीतर रखे सामान को बाहर निकालकर कब्जा लिया जा सके।

वन विभाग ने बोरसल बीट में अतिक्रमण हटाया, अवैध टपरियां तोड़ीं

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नेपानगर क्षेत्र में वन विभाग ने बाहरी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को बोरसल बीट के कम्पार्टमेंट नंबर 192 में अवैध रूप से बनाई गई कई टपरियों को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई आईएफएस और नेपानगर के प्रभारी रेंजर अजय गुप्ता के नेतृत्व में की गई। गश्ती के दौरान टीम ने पाया कि अतिक्रमणकारियों द्वारा जंगल से सागौन की लकड़ियों का उपयोग कर झोपड़ियां बनाई गई थीं। इन लकड़ियों को जब्त कर वन विभाग के रेंज कार्यालय पहुंचाया गया।

वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में फ्लैग मार्च भी निकाला। अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि वे जल्द से जल्द अपना अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में नेपानगर, नावरा, असीर और धूलकोट सहित चार रेंज का वन अमला शामिल था। परिक्षेत्र सहायक जीएल वास्कले, दिनेश रावत, संजय त्रिपाठी, मोहन सस्त्य, फॉरेस्ट गार्ड जितेंद्र त्यागी, धर्मवीरसिंह लोधी, रघुरज सोलंकी, ललित अन्ना और संगीता वास्कले सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

69 वीं राष्ट्रीय शालेय स्क्वाश खेल प्रतिस्पर्धा संपन्न

अंडर 19 बालक वर्ग में महाराष्ट्र तथा बालिका वर्ग में तमिलनाडु टीम विजेता रही

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मध्यप्रदेश की मेजबानी में राष्ट्रीय शालेय स्क्वाश खेल प्रीतियोगिता का समापन एमेराल्ड वर्ल्ड स्कूल में आज जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर एमेराल्ड वर्ल्ड स्कूल की प्राचार्य निशा अहमद, संजय मिश्रा, एवं ऑब्जर्वर अजय सिंह चंदेल विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को शील्ड, मैडल व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता के मीडिया प्रचार - प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार एवं अनुराग तिवारी ने बताया कि 13 राज्यों के अंडर - 19 बालक/ बालिका वर्ग में महाराष्ट्र टीम बालक वर्ग में विजेता रही वहीं बालिका वर्ग में तमिलनाडु की टीम इवेंट विजेता रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात मंच संचालक सुनयना शर्मा ने किया वहीं आभार जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील अवस्थी ने माना। इस अवसर पर प्राचार्य प्रकाश सिरवलकर, भूषण सराफ, सपना हुमड़,कामिनी साहू, वरिष्ठ खेल शिक्षक संजय वर्मा, अनिल गोड़, प्रकाश गौड़, राहुल बच्चोंटियां, नवीन गौड़, जितेन्द्र दाईगुड़े ,हेमंत पंवार,महावीर आर्य, महावीर मालवीय, राकेश पंडित,भारती जमदड़, अनीता भारती, नीता वैष्णव,अनीता अत्रे, अनिल खरे, अखिलेश वाणी आदि उपस्थित थे।

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली (एजेंसी) ● महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था। बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुंबई ने हरियाणा को हराया

मुंबई (एजेंसी) ● यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था। इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं। सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को

कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की । इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे। सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया। यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

फिल्म 'आज़ाद भारत' में नेताजी सुभाष चंद्र बोस बनेंगे श्रेयस तलपड़े

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता श्रेयस तलपड़े, ज़ी स्टूडियोज़ की फिल्म आज़ाद भारत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका में नजर आएंगे। रूपा अय्यर की फिल्म आज़ाद भारत नेताजी सुभाष चंद्र बोस, उनकी अमर विरासत और उनके द्वारा स्थापित रानी झांसी रेजिमेंट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। फिल्म के केंद्र में है नीरा आर्या और अनगिनत ऐसे वीर सेनानी, जिनकी कहानियां इतिहास में कहीं खो गईं, लेकिन उन्होंने भारत की आज़ादी के लिए अदम्य साहस के साथ अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका में दिखाई देंगे, सुरेश ओबरॉय क्रांतिकारी छाजू रामजी के किरदार में नजर आएंगे, जबकि रूपा अय्यर स्वयं नीरा आर्या की भूमिका निभाने के साथ-साथ फिल्म की निर्देशक और निर्माता भी हैं। फिल्म के राष्ट्रगान में आवाज़ अमृता फडणवीस ने दी है।

दो साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं ऋचा

मुंबई (एजेंसी) ● ऋचा चड्ढा पर्दे पर वापसी कर रही हैं। इसका जिक्र उन्होंने एक लंबी-चौड़ी पोस्ट में किया है। ऋचा ने काफी सारे वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। ऋचा चड्ढा ने दो साल पहले बेटी जूनी का इस दुनिया में स्वागत किया था। मां बनने के बाद उन्होंने बेटी की परवरिश पर पूरा फोकस रखा। एक्ट्रेस ने बीच-बीच में पोस्ट्स लिखी हैं, जिसमें उन्होंने अपने मन की बात कही। ऋचा ने लिखा-बीते रविवार यानी 7 दिसंबर को मैं दो साल बाद वापसी की। मैं चाहती थी कि बेबी होने के बाद जल्द से जल्द मैं वापसी कर लूं, लेकिन मेरा शरीर और दिमाग शायद इसके लिए तैयार नहीं था। पर इन प्रैक्टिकल परेशानियों के बीच मैंने कुछ और भी झेला, वो था प्रोफेशनल लेवल पर

लोगों का धोखा।मैंने सीखा कि इंडस्ट्री में बहुत कम लोगों के अंदर काम के एथिक्स हैं। कई लोग तो अंदरूनी इंफीरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स को झेल रहे हैं और कुछ लोग ऐसे हैं जो कहते हैं उन्हें मीन नहीं करते। मानसिक संतुलन उनका बिगड़ा हुआ है। वो खुश नहीं रहते तो इसलिए चारो ओर सिर्फ दुख बांटते हैं। ये नया नहीं है, क्योंकि ये बात तो 70 साल पहले गुरु दत्त साहब कह ही गए हैं।जिन भी लोगों ने एक तरफा घृणा मुझे दी, वो भी तब जब मैं अपने सबसे खराब फेज में थी और मुझे थोड़े प्यार की जरूरत थी, आप लोग जानते हैं कि आप क्या हैं। मैं तो माफ कर दूंगी, पर कभी भूलूंगी नहीं। ये बात अपने दिमाग में आप लोग जरूर रखना। अगर बच्चे की परवरिश में मुझे पूरे गांव की मदद लगे तो मैं लूंगी, क्योंकि जब एक औरत मां बनती है तो उसको सिखाया नहीं जाता कि कैसे सबकुछ अकेले करना है।

उज्जैन संभाग

आज से धनुर्मास शुरू, इस दौरान नहीं होंगे शुभ कार्य, ग्रह-नक्षत्र भी बदलेंगे राशि

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सूर्य 15 दिसंबर को वृश्चिक राशि छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही धनुर्मास का आरंभ हो जाएगा, जो अगले एक महीने तक चलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य की धनु संक्रांति विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है और इस अवधि में सभी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित रहेंगे। धनु राशि के स्वामी बृहस्पति हैं और सूर्य का बृहस्पति से सम संबंध माना जाता है। सूर्य के धनु राशि में गोचर के दौरान गृह वास्तु, गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन और यज्ञोपवित जैसे संस्कार नहीं किए जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार, 12 मास में होने वाली संक्रांति में धनु संक्रांति मानव जीवन को रोग, दोष और ताप से मुक्त करने के लिए साधना, उपासना और नियमन का संदेश देती है। सूर्यनारायण की आराधना से पराक्रम और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है, साथ ही पूर्व के ज्ञात-अज्ञात दोषों से निवृत्ति मिलती है।

कई ग्रहों और नक्षत्रों का राशि परिवर्तन भी होगा

इस कालखंड में अधिक से अधिक धर्म और आध्यात्म की ओर बढ़ना चाहिए। अग्नि पुराण भी सूर्य की उपासना और सूर्य की उत्पत्ति

के संबंध में विशेषता को प्रकट करती है।

धनु संक्रांति के इस कालखंड में कई ग्रहों और नक्षत्रों का राशि परिवर्तन भी होगा। 19 दिसंबर को बुध ग्रह ज्येष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेगा, जबकि 20 दिसंबर को शुक्र मूल नक्षत्र में धनु राशि में आएगा।

इसके बाद, 25 दिसंबर को मंगल पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। 28 दिसंबर को सूर्य का पूर्वाषाढ़ा में प्रवेश होगा और इसी दिन बुध ग्रह अस्त भी होगा। 4 जनवरी को वक्री गुरु पुनर्वसु के दूसरे चरण में आएंगे और 11 जनवरी को सूर्य उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश करेगा।

धनुर्मास के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए एक माह तक धर्म उपासना करनी चाहिए और सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। रविवार को बिना नमक का उपवास रखने से पुत्र-पौत्र की वृद्धि होती है और संतान को दीर्घायु प्राप्त होती है।

सोमनाथ के पुरातात्विक अवशेषों से बने दो शिवलिंग महाकाल में, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा लाए गए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●आर्ट ऑफ लिविंग मुख्यालय, बेंगलुरु से भगवान सोमनाथ के पुरातात्विक 11 अवशेषों (बाण लिंग) से निर्मित दो विशेष शिवलिंग रविवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। इन्हें भगवान महाकालेश्वर की भोग आरती में लाया गया। आरती के बाद दोनों शिवलिंगों का गर्भगृह में पूजन किया गया। इसके पश्चात इन्हें जूना महाकाल मंदिर परिसर में कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के डायरेक्टर दर्शक हाथी और मध्यप्रदेश यात्रा प्रभारी मनीष सोनी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सतयुग में चंद्रदेव द्वारा निर्मित सोमनाथ मंदिर का शिवलिंग महमूद गजनवी के आक्रमण के बाद खंडित हो गया था। इसके उपरांत, अग्निहोत्री पुरोहितों ने खंडित अवशेषों से 11 छोटे बाण शिवलिंग बनाकर पीढ़ियों तक गुप्त रूप से उनकी पूजा की।

वर्ष 1924 में कांची

शंकराचार्य के निर्देशानुसार, सौ वर्ष बाद संरक्षक पुरोहित सीताराम शास्त्री ने ये शिवलिंग आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर को सौंप दिए। इसी क्रम में अब इन सभी शिवलिंगों का भारत भ्रमण कराया जा रहा है। इनमें से दो शिवलिंग मध्यप्रदेश में दर्शन एवं भ्रमण के लिए लाए गए हैं, जिनके भ्रमण की शुरुआत श्री महाकालेश्वर मंदिर से की गई है। रविवार को शिवलिंगों के महाकाल मंदिर आगमन पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से महानिर्वाणी अखाड़ा श्री महाकालेश्वर मंदिर के महंत विनीत गिरी महाराज एवं सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने यात्रा में सम्मिलित सभी सदस्यों का स्वागत एवं सत्कार किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने इन दिव्य शिवलिंगों के दर्शन किए।

मैरिज ब्यूरो पर ठगी का आरोप, रिश्ता दिलाने के नाम पर 17 हजार लिए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● माधवनगर थाना क्षेत्र के फ्रीगंज में चल रहे एक मैरिज ब्यूरो पर युवक से ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि ब्यूरो संचालकों ने शादी के लिए अच्छा रिश्ता दिलाने के नाम पर युवक से 17 हजार रुपए लिए, लेकिन न तो कोई रिश्ता दिखाया और न ही पैसे वापस किए। खरगोन निवासी राजू वर्मा ने पुलिस को बताया कि करीब आठ महीने पहले उन्होंने फ्रीगंज की हारफूल वाली गली के पास स्थित 'जीवन संगिनी सोशल वेलफेयर सोसाइटी' नाम के मैरिज ब्यूरो में संपर्क किया था। यहां संचालक भरत खंडेलवाल और विजय खंडेलवाल ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही अच्छा रिश्ता मिल जाएगा और इसके बदले उनसे 17 हजार रुपए ले लिए।

काफी समय बीतने के बाद भी जब कोई लड़की नहीं दिखाई गई, तो राजू ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। कई बार ब्यूरो के चक्कर लगाने के बावजूद संचालकों ने रकम लौटाने से मना कर दिया। परेशान होकर राजू ने माधवनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद पुलिस ने मैरिज ब्यूरो पर दी दबिश

शिकायत के बाद शनिवार को पुलिस ने मैरिज ब्यूरो पर दबिश दी। पुलिस भरत खंडेलवाल को थाने लेकर पहुंची, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। मौके से ब्यूरो के रजिस्टर और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। वहां काम कर रही युवतियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

पुलिस ने दोनों संचालकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि भरत खंडेलवाल के खिलाफ पहले भी नानाखेड़ा थाने में धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लैंड पूलिंग : 18 जिलों के पदाधिकारी करेंगे आंदोलन का ऐलान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मप्र सरकार के लैंड पूलिंग एक्ट के विरोध में भारतीय किसान संघ आज से फिर आंदोलन का बिगुल बजाएगा। मालवा-निमाड़ प्रांत के 18 जिलों से 250 से अधिक पदाधिकारी रविवार को उज्जैन पहुंचेंगे और सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तय करेंगे। बैठक के तुरंत बाद आंदोलन की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। किसान संघ ने स्पष्ट किया है कि इस बार वह सरकार के मौखिक आश्वासनों पर भरोसा नहीं करेगा।आंदोलन की पूरी रूपरेखा आज बैठक में तय की जाएगी और इसकी जानकारी शासन-प्रशासन को भी दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने बताया कि उज्जैन में होने वाली बैठक में आंदोलन का खाका तैयार कर उसी दिन तारीखों की घोषणा कर दी जाएगी।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 17 को बाइक रैली

लैंड पुलिंग के अलावा इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड एक्सेस कंट्रोल रोड के विरोध में भी प्रभावित 7 गांवों के किसानों ने आंदोलन की रूपरेखा बना ली है। आगामी 17 तारीख को किसान संघर्ष समिति बाइक रैली निकालेगी। समिति के राजेश सोलंकी ने बताया बाइक रैली एमपीआरडीसी गो बैक के काले झंडे के साथ निकाली जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

रीवा से इंदौर के लिये इंडिगो एयरलाइन्स का विमान 22 को भरेगा उड़ान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रीवा से इंदौर के लिये सीधी विमान सेवा 22 दिसंबर से प्रारंभ होगी। इंडिगो एयरलाइन्स का विमान रीवा एयरपोर्ट से इंदौर के लिये 22 दिसंबर को रवाना होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट पहुंचकर भव्य शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लिया तथा एयरपोर्ट एवं इंडिगो एयरलाइन्स के दिल्ली एवं मुंबई से आये अधिकारियों से व्यवस्थाओं, यात्री सुविधाओं एवं संचालन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा से इंदौर हवाई सेवा विन्ध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देगा तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा। इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

'बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' बना मध्यप्रदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को अद्वितीय जैव-विविधता और नैसर्गिक घने जंगलों के लिए प्रतिष्ठित 'ट्रेवल + लीजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स 2025' में बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान नई दिल्ली के आईटीसी मौर्य स्थित नन्दिया गार्डन्स में आयोजित गरिमामयी समारोह में प्रदान किया जायेगा। यह अवॉर्ड्स का 14वां संस्करण है, जिसमें मध्यप्रदेश को देश के वन्यजीव अनुभवों के केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है।

ग्राहक तय करेगा नमकीन का स्वाद, लैब में बनेगा फॉर्मूला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● फूड इंडस्ट्री में नए साल से बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। ये ग्राहक की इच्छा और स्वाद पर निर्भर होंगे। ग्राहक सिर्फ रेडीमेड नमकीन नहीं खरीदेगा, बल्कि जरूरत, स्वाद, फैट और प्रोटीन एक्सक्लूसिव के अनुसार बनवाएगा। नमकीन का फॉर्मूला पहले लैब में तैयार होगा और फिर फैक्ट्री में उसी हिसाब से उत्पादन होगा। देशभर की नमकीन इंडस्ट्री इस दिशा में काम शुरू कर चुकी है। कंपनियां एक्सपर्ट्स और न्यूट्रीशियनिस्ट की सलाह लेकर हेल्दी और टेलर-मेड नमकीन तैयार कर रही हैं। यह मॉडल फूड इंडस्ट्री में कस्टमाइजेशन का नया दौर शुरू करेगा।

- 5000 से ज्यादा देशभर के ब्रांड बनाएंगे नमकीन
- 400-480 रुपए किलो होगा पसंदीदा नमकीन का भाव
- 02 किलो न्यूनतम बनवा सकते हैं नमकीन
- 280-360 रुपए किलो है सामान्य नमकीन का भाव है

सेहत के प्रति जागरूक

फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स (नई दिल्ली) के निदेशक फिरोज हैदर नकवी बताते हैं, सेहत के प्रति बढ़ती जागरुकता के चलते इंडस्ट्री अब शुगरलेस, शुगर फ्री और मिलेट बेस्ड नमकीन पर फोकस कर रही हैं। वीगन नमकीन और मिठाइयों की मांग तेजी से बढ़ी है। पहले ग्राहक इन्हें कम पसंद करते थे, अब नई तकनीक और बेहतर इनग्रेडिएंट्स की वजह से वीगन प्रोडक्ट भी सामान्य प्रोडक्ट जितने स्वादिष्ट तैयार हो रहे हैं।

इसलिए पड़ी जरूरत इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अनुसार, ग्राहक एक जैसे पैटर्न का नमकीन खाकर बोर होने लगे थे। जब वे दुकानों पर पहुंचते थे, तो उनका पहला सवाल होता था कि नया क्या है।

ये है बदलाव की सबसे बड़ी वजह

स्वस्थ्य के न्यूट्रीशन लेबलिंग और हेल्थ-क्लेम से जुड़े नए नियमों के कारण भी नमकीन इंडस्ट्री पर दबाव बढ़ा है। अब पैक्ड नमकीन पर कैलोरी, फैट, शुगर और नमक की मात्रा स्पष्ट लिखना अनिवार्य है। साथ ही फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग व्यवस्था में हाई-फैट, हाई-शुगर और हाई सॉल्ट प्रोडक्ट्स को लाल निशान से दर्शाने की तैयारी चल रही है। इसी के चलते नए फॉर्मूले डिजाइन हो रहे हैं।

इंदौर के नमकीन की विदेशों में भी डिमांड: इंदौर में 2000 के करीब छोटे-बड़े नमकीन के कारखाने हैं। इनमें 15 से 20 बड़े ब्रांड हैं, जो मप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली समेत कई राज्यों में अपने प्रोडक्ट सप्लाई करते हैं। यहां से यूएई, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों में भी निर्यात होता है। यह उद्योग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

फर्जी डीएड मार्कशीट मामला : 34 फरार आरोपियों की तलाश में जुटी एसटीएफ

दस्तावेजों का वेरीफिकेशन हुआ पूरा अब फर्जी मार्कशीट तैयार करने वाली गैंग का होगा खुलासा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पिछले दिनों एमपी की स्पेशल टास्क फोर्स ने डीएड की फर्जी मार्कशीट के जरिए सरकारी शिक्षक बने 34 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी अपने ठिकानों से फरार हो गए थे। एसटीएफ ने आरोपियों के संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल से कुछ दस्तावेजों का वेरीफिकेशन किया था। इस दौरान आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत एकत्रित कर लिए गए है। अब एसटीएफ जल्द ही इनकी गिरफ्तारी करेगी। फर्जीवाड़े से शिक्षक बनने वाले अधिकांश आरोपी ग्वालियर व चंबल अंचल के हैं। ये ग्वालियर, भिंड, मुरैना, इंदौर व अन्य जिलों के स्कूलों में नौकरी कर रहे थे। रिकॉर्ड वेरीफिकेशन किया तो पता चला कि इनकी अंकसूचियां फर्जी है जिसका शिक्षा विभाग के पास रिकार्ड नहीं है। एसटीएफ एसपी राजेश सिंह भदौरिया के निर्देशन में पांच सदस्यीय स्पेशल टीम इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में अभी 34 के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। यह संख्या अभी बढ़ जाएगी क्योंकि इस मामले की जांच कर रही टीम ने पाया कि सिर्फ अंकसूची ही फर्जी नहीं हैं, बल्कि नियुक्ति होने से पूर्व किए जाने वाले सत्यापन तक में फर्जीवाड़ा हुआ है। इसमें वह लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने सत्यापन किया। अगर सही ढंग से सत्यापन होता तो यह फर्जीवाड़ा उस समय ही पकड़ा जाता, नियुक्ति ही नहीं होती। सत्यापन में शामिल लोगों ने भी फर्जीवाड़ा किया।

इधर एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाली गैंग के संबंध में भी जानकारी एकत्रित कर ली है। बताया जा रहा है कि इस गैंग में बड़ी संख्या में लोग शामिल है। जिनके खिलाफ सबूत मिले है उनको एसटीएफ जल्द ही अरेस्ट करेगी। एसटीएफ एसपी राजेश भदौरिया का कहना है कि हमने दस्तावेजों की जांच कर ली है। अभी मामला इन्वेस्टीगेशन में है। जल्द ही फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह का भी खुलासा किया जाएगा।

मालवा मिल कम्युनिटी हॉल में क्लेश, आसपास का एक होटल बताई जा रही वर्चस्व की वजह!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव और इंदौर क्षेत्र क्रमांक पांच से विधायक महेंद्र हार्डिया और सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने मालवा मिल कम्युनिटी हॉल का भूमिपूजन कर दिया। उक्त योजना कुल सवा छह करोड़ की हैं। उक्त इसी योजना को लेकर नगर निगम जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौड़ को ऐतराज हैं। बताया जा रहा है कि उक्त मालवा मिल कम्युनिटी हॉल को लेकर मालवा मिल स्थित एक होटल ही क्लेश की असल वजह बताई जा रही हैं। दरअसल जो नगर निगम ने सवा छह करोड़ की लागत से मालवा मिल कम्युनिटी हॉल का भूमिपूजन शुरू करते हुए कार्य को शुरुआत कर दी हैं। अब ये कार्य कब तक पूरा होगा ये देखना होगा। लेकिन मालवा मिल कम्युनिटी हॉल मालवा मिल चौराहा स्थित एक होटल को अखर रहा हैं। इधर मालवा मिल कम्युनिटी हॉल को लेकर अब यह मामला और भी विवादों में घिरता नजर आ रहा है। क्योंकि अब दो नंबर और पांच नंबर की उक्त मालवा मिल कम्युनिटी हॉल को लेकर वर्चस्व की जंग जारी हैं।

कम्युनिटी हॉल से लगे होटल जो विवादों में ही रहा हैं। खैर उक्त होटल में वर्षों से पार्किंग के टोटे हैं। यहां आने जाने उपभोक्ताओं की कार दो पहिया सड़क पर ही बकायदा सुरक्षा गार्ड अपनी निगरानी में पार्क करवाता हैं। लिहाजा विश्वनीय सूत्र कहते है कि अब मालवा मिल कम्युनिटी हॉल कई लोगों की आंखों को खटक रहा हैं क्योंकि ये बन गया तो कइयों की दुकानदारी प्रभावित हो जाएगी।

14 दिन बाद भी वीआईटी में हुए उपद्रव की रिपोर्ट नहीं आई सामने

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राजधानी के निकट सीहोर स्थित वीआईटी विश्वविद्यालय में हुए उपद्रव के मामले में सरकार नोटिस देकर तानाशाह प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करना भूल गई है। मप्र निजी विवि नियामक आयोग के प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन के आधार पर उच्च शिक्षा विभाग ने 1 दिसंबर को वीआईटी विश्वविद्यालय के प्रबंधन को नोटिस जारी कर 7 दिन के भीतर जवाब मांगा था। लेकिन 14 दिन बीतने के बाद भी सरकार ने वीआईटी विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। स्थानीय प्रशासन से लेकर उच्च शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरेन्द्र सिंह भलावी ने 1 दिसंबर को वीआईटी विश्वविद्यालय को नोटिस भेजा था। जिसमें उन्होंने निजी विवि नियामक आयोग की रिपोर्ट का हवाला देकर प्रबंधन को तानाशाह बताते हु विवि परिसर में खुद के बनाए नियम चलाने की बात कही थी। भलावी के नोटिस में कहा गया था कि यदि 7 दिन के भीतर जवाब नहीं आया तो फिर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी। अब 14 दिन की समयावधि बीत चुकी है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि वीआईटी विश्वविद्यालय प्रबंधन ने 25 नवंबर को परिसर में जो उपद्रव की घटना हुई थी, उस संबंध में जवाब आया है या नहीं। विवि प्रबंधन का नोटिस जारी करने वाले अधिकारी ने भी चुप्पी साध ली है।

पूरे मामले को दबाने की तैयारी मप्र निजी विवि नियामक आयोग द्वारा सरकार को सौंपे प्रतिवेदन के अनुसार व्हीआईटी विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं के नियम चलते थे। परिसर में डर का वातावरण था। विद्यार्थियों को दूषित भोजन दिया जाता था। उनकी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती थी। यहां तक कि उनके साथ मारपीट तक की घटनाएं होती थीं। विवि में 3-4 चुनिंदा अधिकारी का ही बोलबाला था। इस संबंध में मुख्यमंत्री तक को भी शिकायतें पहुंची। लेकिन उपद्रव की घटना का अब लगभग दबा दिया गया है। न तो स्थानीय पुलिस में किसी तरह का प्रकरण दर्ज हुआ और न ही जिम्मेदार एजेंसी कैंटीन, पानी, क्लिनिक, पर्यावरण, फायर सेफ्टी की जांच के लिए विवि परिसर में

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद बीआरटीएस के एक हिस्से की पूरी रैलिंग तक नहीं हटा पाया निगम

कोर्ट के आदेश पर बनी कमेटी को आज तक हुए काम की देनी है रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के लगभग 11 किलोमीटर के बीआरटीएस की एक तरफ की रैलिंग हटाने का काम हाईकोर्ट की फटकार के बाद शुरू हो चुका है। इस काम को पूरा करने के लिए कोर्ट ने 15 दिसंबर तक का समय दिया था। हालांकि निर्धारित समय सीमा में काम पूरा होते दिखाई नहीं दे रहा है, वहीं काम की देखरेख के लिए जो कमेटी कोर्ट ने बनाई थी, वह भी नगर निगम द्वारा रैलिंग हटाने के काम से खुश नजर नहीं आ रही है। जस्टिस विजयकुमार शुक्ला और जस्टिस विनोद कुमार द्विवेदी की डिवीजन बेंच ने निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई के दौरान कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और डीसीपी ट्रैफिक को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित रहना होगा।

बीआरटीएस अब नहीं रहेगा इसका आदेश 9 महीने पूर्व ही आ चुका है, लेकिन इस दौरान इसे हटाने को लेकर नगर निगम की

तरफ से कोई खास काम होता नहीं देखा गया। इसको लेकर हाईकोर्ट में लगी याचिका में कोर्ट ने एक कमेटी बनाकर उसे निगरानी करने के लिए कहा था। बीआरटीएस हटाने के काम में हो रही लगातार देरी को लेकर हाईकोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति ने बीआरटीएस का निरीक्षण किया। समिति में हाईकोर्ट के छह वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं।

निरीक्षण के बाद समिति ने नगर निगम के कार्य पर असंतोष जताते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और वास्तविक स्थिति से हाईकोर्ट को अवगत कराया जाएगा। समिति ने बताया कि राजीव गांधी चौराहा से पलासिया तक बीआरटीएस कॉरिडोर का निरीक्षण किया गया। बीआरटीएस हटाने का कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। कई स्थानों पर रैलिंग रास्ते में पड़ी हुई है, जिससे धूल का गुबार उठ रहा है और आम लोगों को परेशानी हो रही है। समिति ने यह भी बताया कि बस स्टेशनों को तोड़ने में अनावश्यक देरी हो रही है। निरीक्षण के दौरान नगर निगम की ओर से भी अफसर मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने 1 दिसंबर को बनाई थी निगरानी समिति

1 दिसंबर को हुई सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से हाईकोर्ट को बताया गया था कि बीआरटीएस हटाने का पूरा कार्य तीन माह में पूरा कर लिया जाएगा, जबकि एक लेन की रैलिंग हटाने का काम 15 दिन में पूरा करने का आश्वासन दिया गया था। इस पर हाईकोर्ट ने कार्य की निगरानी के लिए एक विशेष समिति का गठन किया था। इस समिति में एडवोकेट गिरीश पटवर्द्धन, एनएस भाटी, कौस्तुभपाठक, अजय राज गुप्ता, प्रद्युम्न किबे और जय शर्मा को शामिल किया गया है। समिति अपनी रिपोर्ट 16 दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में पेश करेगी।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही, वाहन सहित बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में शराब के अवैध क्रय-विक्रय, अवैध भण्डारण और अवैध परिवहन की रोकथाम के लिये कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान के तहत आबकारी विभाग के अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुये बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। साथ ही आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया है। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी ने बताया आज बिजलपुर में गश्त के दौरान एक दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी 09-यूजे-1564 सफेद कलर की होंडा एक्टिवा से अवैध परिवहन कर ले जाई जा रही 30 पाव देशी मदिरा एवं 14 कैन जब्त की गयी।

नहीं दिखा भरोसा | रोजगार से जुड़े न होने की वजह से विद्यार्थियों की अरूचि

देवी अहिल्या विवि के नए एमए पाठ्यक्रमों में नहीं हुए एडमिशन

16 से शुरू होने वाली पीजी फर्स्ट सेमेस्टर परीक्षा में शामिल नहीं होंगे नौ पाठ्यक्रम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति के तहत कई नए एमए कोर्स शुरू किए थे, लेकिन इनमें से कुछ कोर्स ऐसे हैं, जिनसे सीधे रोजगार के अवसर नहीं जुड़ते। इसी वजह से इन पाठ्यक्रमों में इस सत्र में विद्यार्थियों ने रुचि नहीं दिखाई और एडमिशन नहीं हो पाए।

विश्वविद्यालय के अनुसार 9 एमए कोर्स (लोक प्रशासन, ज्योतिष विज्ञान, भरतनाट्यम, कथक नृत्य, शास्त्रीय गायन, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, योग, एप्लाइड फिजियोलॉजी और वेद) में एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया, वहीं एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग में केवल 4 और एक वर्षीय एमए

दर्शनशास्त्र में सिर्फ 1 छात्र ने दाखिला लिया है। ऐसे में 16 दिसंबर से शुरू होने वाली पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं इन कोर्स के लिए आयोजित नहीं होंगी। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि छात्र अब वही कोर्स चुन रहे हैं, जिनसे नौकरी की संभावना साफ दिखाई देती है। जिन विषयों में सरकारी या निजी क्षेत्र में पद सीमित हैं, वहां छात्रों का रुझान कम हो रहा है। इसी कारण रोजगार से सीधे तौर पर नहीं जुड़े नए कोर्स खाली रह गए। इसके उलट एमए हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास और अर्थशास्त्र जैसे पारंपरिक कोर्स में अच्छी संख्या में एडमिशन हुए हैं, क्योंकि इन विषयों से प्रतियोगी परीक्षाओं और शिक्षण जैसे क्षेत्रों में अवसर मिलते हैं। डीएवीवी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि जिन कोर्स में एक भी छात्र नहीं है, उनकी परीक्षा नहीं कराई जाएगी। विश्वविद्यालय अब इस बात पर मंथन कर रहा है कि भविष्य में नए कोर्स शुरू करते समय उन्हें रोजगार और कॅरियर से बेहतर तरीके से जोड़ा जाए, ताकि छात्रों का भरोसा बढ़ सके। यह मामला साफ तौर पर दिखाता है कि केवल नए कोर्स शुरू करना ही काफी नहीं, बल्कि यह भी जरूरी है कि उनसे विद्यार्थियों का भविष्य और काम जुड़ा हो।

टीसीएस से रोबोट तक 11 किमी में मेट्रो के कमर्शियल रन की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6.5 किमी में मेट्रो ट्रेन के कमर्शियल रन के बाद अब टीसीएस चौराहा से रोबोट चौराहा तक 11 किमी में मेट्रो के कमर्शियल रन की दिशा में एक और कदम बढ़ गया है। 11 किमी लंबे इस रूट पर मेट्रो संचालन के लिए रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम निरीक्षण कर इंदौर से लौट चुकी है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेक्शन पर मेट्रो को आम यात्रियों के लिए चलाने की नई डेडलाइन मार्च 2026 तय की है। गांधी नगर से रोबोट चौराहा तक 17.5 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जा रहा है। इस पूरे रूट पर 16 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इसमें गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6.5 किमी में मई 2025 में कमर्शियल रन शुरू किया जा चुका है। इस सेक्शन पर सितंबर 2023 में ट्रायल रन किया गया था। अब शेष 11 किमी के रूट पर मेट्रो चलाने की तैयारी अंतिम चरण में बताई जा रही है। हालांकि यह पूरा प्रोजेक्ट तय समय-सीमा से 2 साल पीछे चल रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।